

भ्वादिगण १-१०१०  
अदादिगण १०११-११०६  
दिवादिगण ११०७-१२४६  
स्वादिगण १२४७-१२८०  
तुदादिगण १२८१-१४३७  
रुणादिगण १४३८-१४६२  
तनादिगण १४६३-१४७२  
क्रयादिगण १४७३-१५३३  
चुरादिगण १५३४-१६४३

## Dhatupath (Devanagari alphabetical)

१. अंस समाघाते (१६१८)
२. अक कुटिलायां गतौ (७६२)०अ
- ३- अकि लक्षणे (८७)
- ४- अक्षू व्याप्तौ (६५४)
५. अग कुटिलायां गतौ (७६२)
६. अगि गत्यर्थे (१४६)
७. अंक पदे लक्षणे (१६२७)
८. अजि आप्यायने (१७८५)
९. अट्ट अनादरे (१५६१)
१०. अघि गत्याक्षेपे, (१०६) गतौ गत्यारम्भे चेत्यपरे
११. अचि गतौ याचने च इत्यपरे (८६२)
१२. अचु गतौ याचने च इत्येके (८६२)
१३. अज गतिक्षेपणयोः (२३०)
१४. अंचु गतिपूजनयोः (१८८)
१५. अंचु गतौ याचने च (८६२)
१६. अंचु विशेषणे (१७३८)
१७. अंजू व्यक्तिमर्षणकान्तिगतिषु (१४५८)
१८. अटि गतौ (२६१)
१९. अट्ट अतिक्रमहिंसयोः (२५४)
२०. अड उद्यमे (३५८)
२१. अड्ड अभियोगे (३४८)
२२. अण शब्दे (४४४)
२३. अण प्राणने (११७५)
२४. अत गतौ (२६५)
२५. अति बन्धने (६१)
२६. अद भक्षणे (१०११)
२७. अदि बन्धने (६२)
२८. अथ सातत्यगमनौ (३८)
२९. अथ दौर्बल्ये (१८७०)

३०. अन प्राणने (१०७०) (११७५)  
 ३१. अनोरुध कामे (११७४)  
 ३२. अन्ध दृष्ट्यपघाते, उपसंहार इत्यन्ये (१६२०)  
 ३३. अभ्र गत्यर्था (५५६)  
 ३४. अम गत्यादिषु (४६५)  
 ३५. अम रोगे (१७२०)  
 ३६. अय गतौ (४७४)  
 ३७. अर्क स्तवने, तपन इत्येके (१६४३)  
 ३८. अर्च पूजायाम् (२०४)  
 ३९. अर्च पूजायाम् (१८०८)  
 ४०. अर्ज अर्जने (२२४)  
 ४१. अर्ज प्रतियत्ने (१७२५)  
 ४२. अर्थ उपयांचायाम् (१६०५)  
 ४३. अर्द गतौ याचने च (५५)  
 ४४. अर्द हिंसायाम् (१८२८)  
 ४५. अर्घ मूल्ये (१६१)  
 ४६. अर्व गतौ (४१५)  
 ४७. अर्व हिंसायाम् (५८४)  
 ४८. अर्ह पूजायाम् (७४०)  
 ४९. अर्ह पूजायाम् (१७३१)  
 ५०. अर्ह पूजायाम् (१८३०)  
 ५१. अल भूषणपर्याप्तिवारणेषु (५१५)  
 ५२. अव रक्षणगतिकान्तिप्रीतितृप्त्यवगम- प्रवेशश्रदणस्वाम्यर्थयाचनक्रियेच्छादीप्त्यवाप्त्यालिंगनहिंसादानभागवृद्धिषु (६००)  
 ५३. अवि शब्दे (३७८)  
 ५४. अश भोजने (१५२३)  
 ५५. अशू व्याप्तौ संघाते च (१२६४)  
 ५६. अष गतिदीप्त्यादानेषु इत्येके (८८६)  
 ५७. अस गतिदीप्त्यादानेषु (८८६)  
 ५८. अस भुवि (१०६५)  
 ५९. असु क्षेपणे (१२०६)  
 ६०. अह व्याप्तौ (१२७२)  
 ६१. अहि गतौ (६३५)  
 ६२. अहि आप्यायने (१७६७)०आ  
 ६३. आछि आयामे आयामः दैर्घ्यम् (२०६)  
 ६४. आडः शसि इच्छायाम् (६२६)  
 ६५. आडः शासु इच्छायाम् (१०२१)  
 ६६. आडः क्रन्द सातत्ये (१७२७)  
 ६७. आडः षद पद्यर्थे (१८३१)  
 ६८. आप्तु व्याप्तौ (१२६०)  
 ६९. आप्तु लम्बने (१८३६)  
 ७०. आविजी भयचलनयो (१२८६)  
 ७१. आविजी भयचलनयो (१४६०)

७२. आस उपवेशने  
 ७३. इक स्मरणे (१०४७)  
 ७४. इख गत्यर्थे (१४०) ०इ  
 ७५. इखि गत्यर्थे (१४१)  
 ७६. इगि गत्यर्थे (१५३)  
 ७७. इंग अध्ययने नित्यमधिपूर्वः (१०४६)  
 ७८. इण गतौ (१०४५)  
 ७९. इदि परमैश्वर्ये (६३)  
 ८०. इन हिंसागत्योः (१०१२)  
 ८१. इल स्वप्नक्षेपणयोः (१३५७)  
 ८२. इल प्रेरणे (१६६०)  
 ८३. इवि व्याप्तौ (५८७)  
 ८४. इष उंछे कणशः आदाने कणिशार्दजनं शिलम् (६८०)  
 ८५. इष गतौ (११२७)  
 ८६. इष इच्छायाम् (१३५१)  
 ८७. इष आभीक्ष्ये (१५२५)  
 ८८. ईङ् गतौ (११४३) ०ई  
 ८९. ईक्ष दर्शने (६१०)  
 ९०. ईक्ष्य ईष्यार्थाः (५१०)  
 ९१. ईखि गत्यर्थे (१४२)  
 ९२. ईज गतिकृत्सनयोः (१८२)  
 ९३. ईट गतौ (३१८)  
 ९४. ईड स्तुतौ (१०१६)  
 ९५. ईड स्तुतौ (१६६७)  
 ९६. ईर गतौ (१०१८)  
 ९७. ईर क्षेपे (१८१०)  
 ९८. ईश ऐश्वर्ये (१०२०)  
 ९९. ईष गतिहिंसादर्शनेषु (६११)  
 १००. ईष्य ईष्यार्थाः (५११)  
 १०१. ईह चेष्टायाम् (६३२) ०उ  
 १०२. उक्ष सेचने (६५७)  
 १०३. उख गत्यर्थे (१२८)  
 १०४. उखि गत्यर्थे (१२६)  
 १०५. उङ् शब्दे (६५१)  
 १०६. उच समवाये (१२२०)  
 १०७. उच्छदिर दीप्तिदेवनयोः (१४४५)  
 १०८. उच्छि विवासे (१२६५)  
 १०९. उच्छी विवासे (२१६)  
 ११०. उछि उंछे (२१५)  
 १११. उछि उंछे (१२६३)  
 ११२. उज्झ उत्सर्गे (१३०४)  
 ११३. उठ उपघाते (३३८)  
 ११४. उत्तदिर हिंसाऽनादरयोः (१४४६)

११५. उध्रस उच्छे (१५२४)  
 ११६. उध्रस उच्छे (१७४२)  
 ११७. उन्दी क्लेदने (१४५७)  
 ११८. उबुन्दिर निशामने (८७६)  
 ११९. उब्ज आर्जवे (१३०३)  
 १२०. उभ पूरणे (१३१६)  
 १२१. उंभ पूरणे (१३२०)  
 १२२. उर्द माने<sup>मालं परिणामं</sup> क्रीडायां च (२०)  
 १२३. उर्वी हिंसार्था (५६६)  
 १२४. उलडि उत्क्षेपणे इत्यन्ये (१५४२)  
 १२५. उष दाहे (६६६)  
 १२६. उहिर अर्दने<sup>अर्दनम् पीडनम्</sup> (७३६)  
 १२७. ऊठ उपघाते इत्येके (३३८)  
 १२८. ऊन परिहाणे (१८८१)  
 १२९. ऊयी तंतुसंताने (४८३)  
 १३०. ऊर्ज बलप्राणनयोः (१५४६)  
 १३१. ऊर्णुञ् आच्छादने (१०३६)  
 १३२. ऊष रुजायाम् (६८३)  
 १३३. ऊह वितर्के (६४८)०ऋ  
 १३४. ऋ गतिप्राणनयोः (६३६)  
 १३५. ऋ गतौ (१०६८)  
 १३६. ऋ गतौ (१४६७)  
 १३७. ऋच स्तुतौ (१३०२)  
 १३८. ऋच्छ गतीन्द्रियप्रलयमूर्तिभावेषु (१२६६)  
 १३९. ऋज गतिस्थानार्जनेपार्जनेषु (१७६)  
 १४०. ऋजि भर्जने (१७७)  
 १४१. ऋणु गतौ (१४६७)  
 १४२. ऋधु वृद्धौ (१२४५)  
 १४३. ऋधु वृद्धौ (१२७१)  
 १४४. ऋफ हिंसायाम् (१३१५)  
 १४५. ऋंफ हिंसायाम् (१३१६)  
 १४६. ऋषी गतौ (१२८७) ०ए  
 १४७. एजृ दीप्तौ (१७६)  
 १४८. एजृ कम्पने (२३४)  
 १४९. एठ विवाधायाम् (२६७)  
 १५०. एत्रि संकोचे (१५३६)  
 १५१. एध वृद्धौ<sup>वृद्धिं वर्धनं उपचयः</sup> (२)  
 १५२. एषृ प्रयत्नेन इत्येके (६१५)  
 १५३. एषृ गतौ (६१८)  
 १५४. ओखृ शोषणालमर्थयोः (१२१)  
 १५५. ओणृ अपनयने (४५४)  
 १५६. ओप्यायी वृद्धौ (४८८)  
 १५७. ओलजी व्रीडायाम् (१२६०)

१५८. ओलस्जी व्रीडायाम् (१२६१)  
 १५९. ओलडि उत्क्षेपणे (१५४२)  
 १६०. ओवै शोषणे (६२१)  
 १६१. ओव्रश्चू छेदने (१२६१)  
 १६२. ओहाक् त्यागे (१०६०)  
 १६३. ओहाड् गतौ (१०८६) ँक  
 १६४. कक लौल्ये (६०) भ्वादिगण  
 १६५. कक लौल्ये (१२३७) दिवादिगण  
 १६६. ककि गत्यर्थे (६४)  
 १६७. कख हसने (१२०)  
 १६८. कख हसने (७८४)  
 १६९. कगे नोच्यते (७६१)  
 १७०. कच बन्धने (१६८)  
 १७१. कचि दीप्तिबन्धनयोः (१६६)  
 १७२. कज मद इत्येके (२३२)  
 १७३. कटी गतौ (३२०)  
 १७४. कटे वर्षावरणयोः (२६४)  
 १७५. कठ कृच्छ्रजीवने (३३३)  
 १७६. कड मदे (३६०)  
 १७७. कड मदे (१३८०)  
 १७८. कडि मदे इत्येके (३६०)  
 १७९. कड्ड कार्कश्ये (३४६)  
 १८०. कठि शोके (२६४)  
 १८१. कठि शोके (१८४६)  
 १८२. कडि मदे (२८२)  
 १८३. कण शब्दे (४४६)  
 १८४. कण गतौ (७६४)  
 १८५. कण निमीलने (१७१५)  
 १८६. कत्र शैथिल्ये (१६१५)  
 १८७. कथ वाक्यप्रबन्धे (१८५१)  
 १८८. कदि आह्वाने रोदने च (७०)  
 १८९. कदि वैकल्य इत्येके (७७२)  
 १९०. कनसु हरणदीप्त्योः (१११३)  
 १९१. कनी दीप्तिकान्तिगतिषु (४६०)  
 १९२. कपि चलने (३७५)  
 १९३. कबृ वर्णे (३८०)  
 १९४. कमु कान्तौ (४४३)  
 १९५. कर्ज व्यथने (२२८)  
 १९६. कर्द कुत्सिते शब्दे (५६)  
 १९७. कर्ब गतौ (४२०)  
 १९८. कर्व दर्पे (५८१)  
 १९९. कल शब्दसंख्यानयोः (४६७)  
 २००. कल क्षेपे (१६०४)

२०१. कल गतौ संख्याने च (१८६५)  
 २०२. कष हिंसार्थे (६८५)  
 २०३. कस गतौ (८६०)  
 २०४. कस गतिशासनयोः इत्येके (१०२४)  
 २०५. कसि गतिशासनयोः (१०२४)  
 २०६. काक्षि कांक्षायाम् (६६७)  
 २०७. काचि दीप्तिबन्धनयोः (१७०)  
 २०८. काशृ दीप्तौ (११६२)  
 २०९. कासृ शब्दकुत्सायाम् (६२३)  
 २१०. काशृ दीप्तौ (६४७)  
 २११. कि ज्ञाने (११०१)  
 २१२. कित त्रासे (३०१)  
 २१३. कित गतौ (३१६)  
 २१४. कित निवासे रोगापनयने च (६६३)  
 २१५. किलश्वैत्यक्रीडनयोः (१३५३)  
 २१६. कीट वर्णे (१६४०)  
 २१७. कील बन्धने (५२४)  
 २१८. कुंश संश्लेषणे (१२१८)०कु  
 २१९. कु शब्दे (१०४२)  
 २२०. कुक आदाने (६१)  
 २२१. कुङ् शब्दे (६५१)  
 २२२. कुङ् शब्दे (१४०१)  
 २२३. कुच शब्दे तारे (१८४)  
 २२४. कुच संकोचने (१३६८)  
 २२५. कुच संपर्चनकौटिल्यप्रतिष्ठंभ- विलेखनेषु (८५७)  
 २२६. कुच कौटिल्यल्पीभावे (१८५)  
 २२७. कुजु स्तेयकरणे (१६६)  
 २२८. कुट कौटिल्ये (१३६६)  
 २२९. कुटी वैकल्ये इत्येके (३२२)  
 २३०. कुट्ट अनृतभाषणे इत्येके (१५३६)  
 २३१. कुट्ट छेदनभर्त्सनयोः (१५५८)  
 २३२. कुट्ट प्रतापने (१७०२)  
 २३३. कुठि गतिप्रतिघाते ? (३४२)  
 २३४. कुड बाल्ये (१३८३)  
 २३५. कुडि दाहे (२७०)  
 २३६. कुडि वैकल्ये (३२२)  
 २३७. कुडि अनृतभाषणे इत्यपरे (१५३६)  
 २३८. कुडि भेदने (१५८३)  
 २३९. कुण शब्दापकरणयोः (१३३५)  
 २४०. कुण आमन्त्रणे (१८६३)  
 २४१. कुत्स अवक्षेपणे (१६६७)  
 २४२. कुथ पूतीभावे (१११८)  
 २४३. कुद्रि अनृतभाषणे (१५३६)

२४४. कुथि हिंसासंक्लेशनयोः (४३)  
 २४५. कुन्थ संश्लेषणे (१५१४)  
 २४६. कुबि आच्छादने (४२६)  
 २४७. कुबि आच्छादने (१६५५)  
 २४८. कुभि आच्छादने इत्येके (१६५५)  
 २४९. कुमार क्रीडायाम् (१८७७)  
 २५०. कुर्द क्रीडायां (२१)  
 २५१. कुप क्रोधे (१२३३)  
 २५२. कुप भाषार्थे (१७७६)  
 २५३. कुर शब्दे (१३४१)  
 २५४. कुल संस्त्याने संघाते बन्धुषु बन्धुतानुकूल व्यापारेषु च (८४२)  
 २५५. कुशि भाषार्थे (१७६५)  
 २५६. कुष निष्कर्षे (१५१८)  
 २५७. कुसि भाषार्थे (१७६३)  
 २५८. कुस्म नाम्नो वा कुत्सितस्मयने। इत्याकुस्मीयाः (१७११)  
 २५९. कुह विस्मापने (१६०१)  
 २६०. कूज अव्यक्ते शब्दे (२२३)  
 २६१. कूट आप्रदाने, अवसादन इत्येके (१७०१)  
 २६२. कूट परितापे, परिदाह इत्यन्ये (१८६०)  
 २६३. कूट संकोचने (१८६६)  
 २६४. कूण संकोचे (१६८८)  
 २६५. कूल आवरणे (५२५)  
 २६६. कृञ् हिंसायाम् (१२५३)  
 २६७. कृञ् हिंसायाम् (१४८५)  
 २६८. कृड घनत्वे (१३८२)  
 २६९. कृ विक्षेपे (१४०६)  
 २७०. कृती छेदने (१४३५)  
 २७१. कृती वेष्टने (१४४७)  
 २७२. कृप दौर्बल्ये (१८६८)  
 २७३. कृपू सामर्थ्ये (७६२)  
 २७४. कृश तनूकरणे (१२२७)  
 २७५. कृष विलेखने (६६०)  
 २७६. कृष विलेखने (१२८६)  
 २७७. कृवि हिंसाकरणयोश्च (५६८)  
 २७८. कृ हिंसायाम् (१४६६)  
 २७९. कृत संशब्दने (१६५३)  
 २८०. केत श्रावणे निमन्त्रणे (१८६५)  
 २८१. केपु कंपने (३६८)  
 २८२. केलु चलने (५३७)  
 २८३. कै शब्द (६१६) ०कै  
 २८४. क्णथ हिंसार्थे (८००)  
 २८५. क्णुञ् शब्दे (१४८०)  
 २८६. क्ण्यूयी शब्दे उन्दे च (४८५)

२८७. क्मर हुर्छने हूर्छन कौटिल्य (५५५)  
 २८८. क्थ हिंसार्थे (८०१)  
 २८९. क्दि आह्वाने रोदने च (७१)  
 २९०. क्दि वैकल्य इत्येके (७७३)  
 २९१. क्प कृपायां गतौ च (७७१)  
 २९२. क्मु पादविक्षेपे (४७३)  
 २९३. क्नीड् विहारे (३५०)  
 २९४. कुञ्च कौटिल्यल्पीभावे (१८६)  
 २९५. कुड निमज्जन इत्येके (१३६४)  
 २९६. कुध क्रोधे (११८६)  
 २९७. कुश आह्वाने रोदने च (८५६)  
 २९८. क्लथ हिंसार्थे (८०२)  
 २९९. क्लदि आह्वाने रोदने च (७२)  
 ३००. क्लदि वैकल्य इत्येके (७७४)  
 ३०१. क्लिदि परिदेवने (१५)  
 ३०२. क्लदि परिदेवन (७३)  
 ३०३. क्लप व्यक्तायां वाचि इत्येके (१६५०)  
 ३०४. क्लमु ग्लानौ (१२०७)  
 ३०५. क्लिदू आर्द्राभावे (१२४२)  
 ३०६. क्लिश उपतापे (११६१)  
 ३०७. क्लिशू विवाधने (१५२२)  
 ३०८. क्लिष आलिङ्गने  
 ३०९. क्लीवृ अधाष्ट्ये (३८१)  
 ३१०. क्लुङ् गतौ इत्येके (६५६)  
 ३११. क्लेवृ सेवने (५०६)  
 ३१२. क्लेश अव्यक्तायां वाचि बाधन इति दुर्गः (६०७)  
 ३१३. क्वथे निष्पाके (८४६)  
 ३१४. क्वण शब्दे (४५०)०६  
 ३१५. क्षणु हिंसायाम् (१४६५)  
 ३१६. क्षति गतिदानयोः (७६६)  
 ३१७. क्षपयः च शब्दे इति भोजः (८१६)  
 ३१८. क्षपि क्षान्त्याम् (१६२०)  
 ३१९. क्षमु सहने (१२०५)  
 ३२०. क्षमूष् सहने (४४२)  
 ३२१. क्षर संचलने (८५१)  
 ३२२. क्षल शौच कर्मणि (१५६७)  
 ३२३. क्षि क्षये (२३६)  
 ३२४. क्षिणु हिंसायाम् (१४६६)  
 ३२५. क्षि हिंसायाम् (१२७६)  
 ३२६. क्षि निवासगत्योः (१४०७)  
 ३२७. क्षिप प्रेरणे (११२१)  
 ३२८. क्षिप प्रेरणे (१२८५)  
 ३२९. क्षिप प्रेरणे (१६४१)



३३०. क्षीज अव्यक्ते शब्दे (२३७)  
 ३३१. क्षीवृ मदे (३८२)  
 ३३२. क्षीवु निरसने (५६७)  
 ३३३. क्षीष हिंसायाम् (१५०६)  
 ३३४. क्षुदिर सम्पेषणे (१४४३)  
 ३३५. क्षुध बुभुक्षायाम् (११६०)  
 ३३६. क्षुभ संचलने (७५१)  
 ३३७. क्षुभ संचलने (१२३६)  
 ३३८. क्षुभ संचलने (१५१६)  
 ३३९. क्षुर विलेखने (१३४०)  
 ३४०. क्षेवु निरसने (५६८)  
 ३४१. क्षै क्षये (६१३)  
 ३४२. क्षोट क्षेपे (१८७५)  
 ३४३. क्षणु तेजने (१०३७)  
 ३४४. क्षमायी विधूनने (४८६)  
 ३४५. क्षमील निमेषणे (५२०)  
 ३४६. क्ष्वेलृ चलने (५३६)०६  
 ३४७. खच भूतपादुर्भावि (१५३१)  
 ३४८. खज मन्थे (२३२) व  
 ३४९. खजि गतिवैकल्ये (२३३)  
 ३५०. खट कांक्षायाम् (३०६)  
 ३५१. खट्ट संवरणे (१६३२)  
 ३५२. खड भेदने (१५८०)  
 ३५३. खडि मंथे (२८३)  
 ३५४. खडि भेदने (१५८१)  
 ३५५. खद स्थैर्ये हिंसायां च (५०)  
 ३५६. खनु अवदारणे (८७८)  
 ३५७. खर्ज पूजने (२२६)  
 ३५८. खर्द दन्दशूके दन्तशूककर्तृकक्रिया (६०)  
 ३५९. खर्ब गतौ (४२१)  
 ३६०. खर्व दर्पे (५८२)  
 ३६१. खल संचये (५४५)  
 ३६२. खष हिंसार्थे (६८६)  
 ३६३. खाट्ट भक्षणे (४६)  
 ३६४. खिट त्रासे (३०२)  
 ३६५. खिद दैन्ये (११७०)  
 ३६६. खिद् परिघाते (१४३६)  
 ३६७. खिद दैन्ये (१४४६)  
 ३६८. खुजु स्तेयकरणे (२००)  
 ३६९. खुड सम्बरणे इत्येके (१३८८)  
 ३७०. खुडि खंडने (१५८५)  
 ३७१. खुर ऐश्वर्यदीप्तयोः (१३४०)  
 ३७२. खुर छेदने (१३४२)

३७३. खेट भक्षण्णे (१८७४)  
 ३७४. खेवृ सेवने (५०६)  
 ३७५. खुर्द क्रीडायां(२२)  
 ३७६. खेलु चलने (५३८)  
 ३७७. खै खदने (६१२)  
 ३७८. खोर्त्त गतिप्रतिघाते (५५२)  
 ३७९. खोलु गतिप्रतिघाते (५५१)  
 ३८०. ख्या प्रकथने (१०६०) ंग  
 ३८१. गज शब्दार्थे, मदने च (२४६)  
 ३८२. गज शब्दार्थे, (१६४७)  
 ३८३. गजि शब्दार्थे (२४७)  
 ३८४. गड सेचने (७७७)  
 ३८५. गडि वदनैकदेशे (मुखवयवः, कपोलः गंडस्थलम्)(६५)  
 ३८६. गडि वदनैकदेश (३६०)  
 ३८७. गण संख्याने (१८५३)  
 ३८८. गद व्यक्तायां वाचि (५२)  
 ३८९. गदी देवशब्दे (१८६०)  
 ३९०. गन्ध अर्दने (१६८४)  
 ३९१. गम्लु गतौ (६८२)  
 ३९२. गर्ज अव्यक्ते शब्दे (२२६)  
 ३९३. गर्द शब्दे (५७)  
 ३९४. गर्ब गतौ (४२२)  
 ३९५. गर्व दर्पे (५८३)  
 ३९६. गर्व माने (१६०७)  
 ३९७. गर्ह कुत्सायाम् (६३६)  
 ३९८. गर्ह विनिन्दने (१८४५)  
 ३९९. गल अदने (५४६)  
 ४००. गल स्रवणे (१६६६)  
 ४०१. गल्भ धाष्ट्ये (३६२)  
 ४०२. गल्ह कुत्सायाम् (६३७)  
 ४०३. गवेष मार्गणे (१८८३)  
 ४०४. गा स्तुतौ (११०६)  
 ४०५. गाङ् गतौ (६५०)  
 ४०६. गाधृ प्रतिष्ठालिप्सयोर्ग्रन्थे च ।(४)  
 ४०७. गाहू विलोडने (६४६)०गु  
 ४०८. गु पुरीषोत्सर्गे (१३६६)  
 ४०९. गुज शब्दे (१३६६)  
 ४१०. गुजि अव्यक्ते शब्दे (२०३)  
 ४११. गुठि वेष्टने इत्येके (१५८४)  
 ४१२. गुङ् अव्यक्ते शब्दे (६४६)  
 ४१३. गुड रक्षायाम् (१३७०)  
 ४१४. गुडि वेष्टने (१५८४)  
 ४१५. गुण आमन्त्रणे (१८६४)

४१६. गुद क्रीडायां(२४)  
 ४१७. गुध परिवेष्टने (११२०)  
 ४१८. गुध रोषे (१५१७)  
 ४१९. गुप व्याकुलत्वे (१२३४)  
 ४२०. गुप भाषार्थे (१७७१)  
 ४२१. गुप गोपने (६७०)  
 ४२२. गुपू रक्षणे (३६५)  
 ४२३. गुफ ग्रन्थे (१३१७)  
 ४२४. गुंफ ग्रन्थे (१३१७)  
 ४२५. गुहू संवरणे (८६६)  
 ४२६. गुरी उद्यमने (१३६६)  
 ४२७. गुर्द क्रीडायां(२३)  
 ४२८. गुर्द पूर्वनिकेतने (१६६५)  
 ४२९. गुर्वी उद्यमने (५७४)  
 ४३०. गूर उद्यमने (१६६४)  
 ४३१. गूरी हिंसागत्योः (११५२)  
 ४३२. गृ सेचने (६३७)  
 ४३३. गृ शब्दे (१४६८)  
 ४३४. गृ विज्ञाने (१७०७)  
 ४३५. गृ निगरणे (१४१०)  
 ४३६. गृज शब्दार्थे (२४८)  
 ४३७. गृजि शब्दार्थे (२४६)  
 ४३८. गृधु अभिकांक्षायाम् (१२४६)  
 ४३९. गृहू ग्रहणे (६५०)  
 ४४०. गृह ग्रहणे (१८६६)  
 ४४१. गेपृ कंपने (३६६)  
 ४४२. गेवृ सेवने (५०२)  
 ४४३. गेषृ अन्विक्षायाम् (६१४)  
 ४४४. गै शब्दे (६१८)  
 ४४५. गोम उपलेपने (१८७६)  
 ४४६. गोष्ट संघाते (२५७)  
 ४४७. ग्रन्थ सन्दर्भ (१५१३)  
 ४४८. ग्रन्थ सन्दर्भ (१८३८)  
 ४४९. ग्रन्थ बन्धने (१८२५)  
 ४५०. ग्रथि कौटिल्ये (३६)  
 ४५१. ग्रस ग्रहणे (१७४६)  
 ४५२. ग्रसु अदने (६३०)  
 ४५३. ग्रह उपादाने (१५३३)  
 ४५४. ग्रह ग्रहणे (१७४६)  
 ४५५. ग्राम आमन्त्रणे (१८६२)  
 ४५६. ग्रुचु स्तेयकरणे (१६७)  
 ४५७. ग्लसु अदने (६३१)  
 ४५८. ग्लह च ग्रहणे (६५१)

४५६. ग्लेषु कंपने (३७०)  
 ४६०. ग्लेषु अन्विक्षायाम् इत्येके (६१४)  
 ४६१. ग्लेषु सेवने (५०३)  
 ४६२. ग्लुचु स्तेयकरणे (१६८)  
 ४६३. ग्लुचु गतौ (२०१)  
 ४६४. ग्लेषु दैन्ये (३६६)  
 ४६५. ग्लौ हर्षक्षये (६०३)  
 ४६६. घघ हसने (१५६) ०६  
 ४६७. घट चेष्टायाम् (७६३)  
 ४६८. घट भाषार्थे (१७६६)  
 ४६९. घट संघाते, हन्त्यर्थाश्च (१७२३)  
 ४७०. घटि भाषार्थे (१७६७)  
 ४७१. घट्ट चलने (२५६)  
 ४७२. घट्ट चलने (१६३०)  
 ४७३. घष कांतिकरणे केचित् (६५२)  
 ४७४. घस्तु अदने (७१५)  
 ४७५. धिणि ग्रहणे (४३४)  
 ४७६. घुङ् शब्दे (६५१)  
 ४७७. घुट परिवर्तने (७४६)  
 ४७८. घुट प्रतिघाते (१३८५)  
 ४७९. घुण भ्रमणे (४३७)  
 ४८०. घुण भ्रमणे (१३३८)  
 ४८१. घुणि ग्रहणे (४३५)  
 ४८२. घुषि कांतिकरणे (६५२)  
 ४८३. घुर भीमार्थशब्दयोः (१३४५)  
 ४८४. घुषिर् अविशब्दने अविशब्दनं अप्रतिज्ञानम् शब्द इति अन्ये (६५३)  
 ४८५. घुषिर् विशब्दने (१७२६)  
 ४८६. घूरी हिंसावयोहान्योः (११५५)  
 ४८७. घूर्ण भ्रमणे (४३८)  
 ४८८. घूर्ण भ्रमणे (१३३६)  
 ४८९. घृ सेचने (६३८)  
 ४९०. घृ क्षरणदीप्त्योः (१०६६)  
 ४९१. घृ प्रस्रवणे (१६५०)  
 ४९२. घृणु दीप्तौ (१४६६)  
 ४९३. घृणि ग्रहणे (४३६)  
 ४९४. घृषु संघर्षे (७०८)  
 ४९५. घृ वयोहानौ इत्यन्ये (१४६४)  
 ४९६. घो असने (१७३०)  
 ४९७. प्रा गन्धोपादाने (६२६)  
 ४९८. डुङ् शब्दे उङ्, कुङ्, खुङ्, गुङ्, घुङ्, डुङ् इत्यन्ये । (६५१)  
 ४९९. डीङ् विहायसा गतौ (११३५) ०च  
 ५००. चक तृप्तौ प्रतिघाते च (६३)  
 ५०१. चक तृप्तौ (७८३)

५०२. चकाश्रु दीप्तौ (१०७४)  
 ५०३. चक्क व्यथने (१५६५)  
 ५०४. चक्षिङ् व्यक्तायां वाचि (१०१७)  
 ५०५. चंचु गत्यर्थाः (१६०)  
 ५०६. चटे वर्षावरणयो इत्येक (२६४)  
 ५०७. चट भेदने (१७२१)  
 ५०८. चण दाने (७६६)  
 ५०९. चडि कोपे (२७८)  
 ५१०. चते याचने (८६५)  
 ५११. चदि आह्लादे दीप्तौ च (६८)  
 ५१२. चदे याचने (८६५)  
 ५१३. चप सान्त्वने (३६६)  
 ५१४. चपि गत्याम् (१६१६)  
 ५१५. चमु अदने (४६६)  
 ५१६. चमु भक्षणे (१२७४)  
 ५१७. चय गतौ (४७८)  
 ५१८. चर गत्यर्था, भक्षणेऽपि (५५६)  
 ५१९. चर संशये (१७४५)  
 ५२०. चर्करीतं कान्तौ (१०८१)  
 ५२१. चर्च परिभाषणहिंसातर्जनेषु (७१७)  
 ५२२. चर्च परिभाषणभर्त्सनयोः (१२६६)  
 ५२३. चर्च अध्ययने (१७१२)  
 ५२४. चर्ब गतौ (४२५)  
 ५२५. चर्व अदने (५७६)  
 ५२६. चल कंपने (८३२)  
 ५२७. चल विलसने (१३५६)  
 ५२८. चल भृतौ (१६०८)  
 ५२९. चलिः कंपने (८१२)  
 ५३०. चष भक्षणे (८८६)  
 ५३१. चह परिकल्कने (७२६)  
 ५३२. चह परिकल्कने (१६२६)  
 ५३३. चह परिकल्कने (१८६६)  
 ५३४. चायु पूजानिशासनयोः (८८०)  
 ५३५. चि आप्यायने (१७६४)  
 ५३६. चिञ् चयने (१२५१)  
 ५३७. चिञ् चयने (१६२६)  
 ५३८. चिट परप्रेष्ये (३१५)  
 ५३९. चित संचेतने (१६७३)  
 ५४०. चिति स्मृत्याम् (१५३५)  
 ५४१. चिती संज्ञाने (३६)  
 ५४२. चित्र चित्रीकरणे, कदाचिद्दर्शने (१६१७)  
 ५४३. चिरि हिंसायाम् (१२७७)  
 ५४४. चिल सम्बरणे (१३५५)

५४५. चिल्ल शैथिल्ये भावकरणे (५३३)  
 ५४६. चीक आमर्षणे (१८२७)  
 ५४७. चीभृ कथने (३८४)  
 ५४८. चीव भाषार्थे (१७७४)  
 ५४९. चीवृ आदानसंवरणयोः (८७६)०चु  
 ५५०. चुक्क व्यथने (१५६६)  
 ५५१. चुच्य अभिषवे इत्येके (५१३)  
 ५५२. चुट छेदने (१३७७)  
 ५५३. चुट छेदने (१६१३)  
 ५५४. चुटि छेदने (१६५६)  
 ५५५. चुट्ट अल्पीभावे (१५६०)  
 ५५६. चुड सम्बरणे (१३६२)  
 ५५७. चुडि अल्पीभावे (३२५)  
 ५५८. चुड्ड भावकरणे (३४७)  
 ५५९. चुद संचोदने (१५६२)  
 ५६०. चुप मन्दायां गतौ (४०३)  
 ५६१. चुबि वक्त्रसंयोगे (४२६)  
 ५६२. चुबि हिंसायाम् (१६३५)  
 ५६३. चुर स्तेये (१५३४)  
 ५६४. चूरी दाहे (११५८)  
 ५६५. चूर्ण प्रेषणे (१५५०)  
 ५६६. चूर्ण प्रेरणे (१५५२)  
 ५६७. चूर्ण संकोचने (१६४१)  
 ५६८. चुल समुच्छाये (१६०२)  
 ५६९. चुल्ल भावकरणे (५३१)  
 ५७०. चूष पाने (६७३)  
 ५७१. चृती हिंसाश्रन्थनयोः (१३२४)  
 ५७२. चेलु चलने (५३६)  
 ५७३. चेष्ट चेष्टायाम् (२५६)  
 ५७४. च्छेद द्वैधीकरणे (१६३४)  
 ५७५. च्यु सहने, हसने चेत्येके (१७४६)  
 ५७६. च्युङ् गतौ (६५५)  
 ५७७. छजि कृच्छ्रजीवने (१६२१)  
 ५७८. छद वमने (१५८६)  
 ५७९. छद अपवारणे (१८३३)  
 ५८०. छद अपवारणे (१६३५)  
 ५८१. छदि संवरणे (१५७७)  
 ५८२. छदिर ऊर्जने (८१३)  
 ५८३. छमु अदने (४७०)  
 ५८४. छष हिंसायाम् (८६०)  
 ५८५. छिदिर द्वैधीकरणे (१४४०)  
 ५८६. छिद्र कर्णभेदने, करणभेदने इत्येके (१६२४)  
 ५८७. छुट छेदने (१३७८)

५८८. छुड सम्बरणे इत्येके (१३८८)  
 ५८९. छुप स्पर्शे (१४१८)  
 ५९०. छुर छेदने (१३७२)  
 ५९१. छृदी संदीपने (१८२०)  
 ५९२. छो छेदने (११४७)  
 ५९३. जक्ष भक्षहनयोः (१०७१)  
 ५९४. जज युद्धे (२४२) ०ज  
 ५९५. जजि युद्धे (२४३)  
 ५९६. जट संघाते (३०५)  
 ५९७. जप व्यक्तायां वाचि, मानसे च (३६७)  
 ५९८. जन जनने (११०५)  
 ५९९. जनी प्रादुर्भावे (११४६)  
 ६००. जभि नाशने (१७१६)  
 ६०१. जभी गात्रविनामे (३८८)  
 ६०२. जमु अदने (४७१)  
 ६०३. जर्ज परिभाषणहिंसातर्जनेषु (७१८)  
 ६०४. जर्ज परिभाषणभर्त्सनयोः (१२६८)  
 ६०५. जल घातने (८३३)  
 ६०६. जल अपवारणे (१५४३)  
 ६०७. जल्प व्यक्तायां वाचि (३६८)  
 ६०८. जष हिंसार्थे (६८८)  
 ६०९. जसि रक्षणे, मोक्षणे इति केचित् (१६६६)  
 ६१०. जसु मोक्षणे (१२११)  
 ६११. जसु हिंसायाम् (१६६८)  
 ६१२. जसु ताडने (१७१८)  
 ६१३. जहृ प्रयत्ने (६४४)  
 ६१४. जागृ निद्राक्षये (१०७२)  
 ६१५. जि अभिभवे (६४६)  
 ६१६. जि जये (५६१)  
 ६१७. जि आप्यायने (१७६३)  
 ६१८. जिमु अदने (४७२)  
 ६१९. जिरि हिंसायाम् (१२७८)  
 ६२०. जिवि प्रीणनार्थे (५६४)  
 ६२१. जिषु सेचने (६६७)  
 ६२२. जीव प्राणधारणे (५६२)  
 ६२३. जुगि वर्जने (१५७)  
 ६२४. जुट बन्धने (१३७६)  
 ६२५. जुड गतौ (१३२६)  
 ६२६. जुड प्रेरणे (१६४६)  
 ६२७. जुन गतौ (१३२६)  
 ६२८. जुतृ भासने (३२)  
 ६२९. जुष परितर्कणे, परितर्पण इत्यन्ये (१८३४)  
 ६३०. जुषी प्रीतिसेवनयोः (१२८८)

६३१. जूरी हिंसावयोहान्योः (११५६)  
 ६३२. जूष हिंसायाम् (६८१)  
 ६३३. जृभि गात्रविनामे (३८६)  
 ६३४. जृ वयोहानौ (१४६४)  
 ६३५. जृ वयोहानौ (१८१३)  
 ६३६. जेषु गतौ (६१६)  
 ६३७. जेहृ प्रयत्ने गतावपि (६४५)  
 ६३८. जै क्षये (६१४)  
 ६३९. ज्या वयोहानौ (१४६६)  
 ६४०. ज्युङ् गतौ (६५६)  
 ६४१. जि अभिभवे (६४७)  
 ६४२. जि वयोहानौ (१८१४)  
 ६४३. ज्वर रोगे (७७६)  
 ६४४. ज्वल दीप्तौ (८०४)  
 ६४५. ज्वल दीप्तौ (८३१)  
 ६४६. ङ  
 ६४७. झट संघाते (३०६)  
 ६४८. झमु अदने (४७२)  
 ६४९. झर्झ परिभाषणहिंसातर्जनेषु (७१८)  
 ६५०. झर्झ परिभाषणभर्त्सनयोः (१३००)  
 ६५१. झष हिंसार्थे (६८६)  
 ६५२. झष आदान संवरणयोः (८६१)  
 ६५३. झृष् वयोहानौ (११३०)  
 ६५४. झृ वयोहानौ इत्येके (१४६४)  
 ६५५. (१४६०) जिङ्न्धी दीप्तौ (१४४८)  
 ६५६. जितृषा पिपासायाम् (१२२८)  
 ६५७. जित्वरा संभ्रमे (७७५)  
 ६५८. जिफला विशरणे (५१६)  
 ६५९. जिभी भये (१०८४)  
 ६६०. जिमिदा स्नेहने (७४३)  
 ६६१. जिमिदा स्नेहने (१२४३)  
 ६६२. जिक्विदा स्नेहमोचनयोः (१२४४)  
 ६६३. जिक्विदा इत्येके स्नेहमोचनयोः। मोहनयोरित्येके। (७४४)  
 ६६४. जिष्विदा स्नेहमोचनयोः। मोहनयोरित्येके। (७४४)  
 ६६५. जिष्विदा अव्यक्ते शब्दे (६७८)  
 ६६६. जिष्विदा गात्रप्रक्षरणे इत्येके (११८८)  
 ६६७. जिधृषा प्रागल्भ्ये (१२६६)  
 ६६८. जिस्वप् शये (१०६८)  
 ६६९. झप ज्ञानज्ञापनमारणतोषणनिशान निशामनेषु (१६२४)  
 ६७०. ज्ञा निशानेष्विति पाठांतरम् (८११)  
 ६७१. ज्ञा अवबोधने (१५०७)  
 ६७२. ज्ञा नियोगे (१७३२) ऽट  
 ६७३. टकि बन्धने (१६३८)



६७४. टल वैक्लव्ये भयजनितोद्वेगे (८३४)  
 ६७५. टिकृ गत्यर्थे (१०३)  
 ६७६. टीकृ गत्यर्थे (१०४)  
 ६७७. दुओशिव गतिवृद्धयोः (१०१०)  
 ६७८. दुओस्फूर्जा वज्रनिर्घोषे (२३५)  
 ६७९. दुक्षु शब्दे (१०३६)  
 ६८०. दुदु उपतापे (१२५६)  
 ६८१. दुनदि समृद्धौ (६७)  
 ६८२. दुभ्राजृ दीप्तौ (८२३)  
 ६८३. दुभ्राशृ दीप्तौ (८२४)  
 ६८४. दुभ्लाशृ दीप्तौ (८२५)  
 ६८५. दुमस्जो शुद्धौ (१४१७)  
 ६८६. दुयाचृ यांचायाम् (८६३)  
 ६८७. दुवम् उद्गिरणे (८४६)  
 ६८८. दुवेपृ कंफने (३६७)  
 ६८९. द्वल वैक्लव्ये (८३५)  
 ६९०. डप संघाते (१६७६)  
 ६९१. डिप संघाते (१६७७)  
 ६९२. डिप क्षेपे (१२३२)  
 ६९३. डिप क्षेपे (१३७१)  
 ६९४. डिप क्षेपे (१६७०)  
 ६९५. डीङ् विहायसा गतौ (६६८)  
 ६९६. डुकृञ् करणे (१४७२)  
 ६९७. डुक्रीञ् द्रव्यविनिमये (१४७३)  
 ६९८. डुदाञ् दाने (१०६१)  
 ६९९. डुधाञ् धारणपोषणयोः दान इत्यप्येके (१०६१)  
 ७००. डुपचष पाके (६६६)  
 ७०१. डुभृञ् धारणपोषणयोः (१०८७)  
 ७०२. डुमिञ् प्रक्षेपणे (१२५०)  
 ७०३. डुवप् बीजसन्ताने छेदनेऽपि (१००३)  
 ७०४. डुलभष् प्राप्तौ (६७५)  
 ७०५. डौकृ गत्यर्थे (६८)  
 ७०६. णक्ष गतौ (६६२)  
 ७०७. णख गत्यर्थे (१३४)  
 ७०८. णखि गत्यर्थे (१३५)  
 ७०९. णट नृत्यौ, गतावित्यन्ये (७१)  
 ७१०. णद अव्यक्ते शब्दे (५४)  
 ७११. णद भाषार्थे (१७७८)  
 ७१२. णभ हिंसायाम् (७५२)  
 ७१३. णभ हिंसायाम् (१२४०)  
 ७१४. णभ हिंसायाम् (१५२०)  
 ७१५. णम प्रह्वत्वे प्रणमने शब्दे च (६८१)  
 ७१६. णय गतौ (४८०)

७१७. णल गन्धे (८३८) बन्धन इत्येके  
 ७१८. णश अदर्शने (११६४)  
 ७१९. णस कौटिल्ये (६२७)  
 ७२०. णह बन्धने (११६६)  
 ७२१. णासृ शब्दे (६२५)  
 ७२२. णिक्ष चुंबने (६५६)  
 ७२३. णिजि शुद्धौ (१०२६)  
 ७२४. णिजिर शौचपोषणयोः (१०६३)  
 ७२५. णिट्ट कुत्सासन्निकर्षयोः (८७१)  
 ७२६. णिदि कुत्सायाम् (६६)  
 ७२७. णिल गहने (१३६०)  
 ७२८. णिवि सेचने (५६०)  
 ७२९. णिश समाधौ (७२२)  
 ७३०. णिसि चुम्बने (१०२५)  
 ७३१. णीञ् प्रापणे (६०१)  
 ७३२. णीव स्थौल्ये (५६६)  
 ७३३. णु स्तुतौ (१०३५)  
 ७३४. णुद प्रेरणे (१२८२)  
 ७३५. णुद प्रेरण (१४२६)  
 ७३६. णू स्तवने (१३६७)  
 ७३७. णेट्ट कुत्सासन्निकर्षयोः (८७२)  
 ७३८. णेषु गतौ (६१७)  
 ७३९. तक हसने (११७)  
 ७४०. तक गतौ (१२६०)  
 ७४१. तकि कृच्छ्रजीवने (११८)  
 ७४२. तक्ष त्वचने (६६५)  
 ७४३. तक्षू तनूकरणे (६५५०)  
 ७४४. तगि गत्यर्थे (१४६)०त  
 ७४५. तंचु गत्यर्थाः (१६१)  
 ७४६. तंचु संकोचने (१४५६)  
 ७४७. तज तर्जने (१६८१)  
 ७४८. तट उच्छ्राये (३०८)  
 ७४९. तड आघाते (१५७६)  
 ७५०. तड आप्यायने (१८०१)  
 ७५१. तडि ताडने (२८०)  
 ७५२. तत्रि कृदुम्बधारणे (१६७८)  
 ७५३. तनु विस्तारे (१४६३)  
 ७५४. तनु श्रद्धोपकरणयोः (१८४०)  
 ७५५. तप संतापे (६८५)  
 ७५६. तप दाहे (१८१७)  
 ७५७. तप (पत) ऐश्वर्ये वा (११५६)  
 ७५८. तमु कांक्षायाम् (१२०२)  
 ७५९. तय गतौ (४७६)

७६०. तर्क भाषार्थे (१७८०)  
 ७६१. तर्ज भर्त्सने (२२७)  
 ७६२. तर्द हिंसायाम् (५८)  
 ७६३. तल प्रतिष्ठायाम् (१५६८)  
 ७६४. तसि अलंकरणे (१७२६)  
 ७६५. तसु उपक्षये (१२१२)  
 ७६६. तायृ सन्तानपालनयो (४८६)  
 ७६७. तिक गतौ (१२६६)  
 ७६८. तिकृ गत्यर्थे (१०५)  
 ७६९. तिज निशाने तीक्ष्णीकरणे (६७१)  
 ७७०. तिज निशातने (१६५२)  
 ७७१. तिपृ क्षरणार्थे (३६२)  
 ७७२. तिम आर्द्राभावे (११२३)  
 ७७३. तिल गतौ (५३४)  
 ७७४. तिल स्नेहने (१३५४)  
 ७७५. तिल स्नेहने (१६०७)  
 ७७६. तिल्ल गतौ इत्येके (५३४)  
 ७७७. तीकृ गत्यर्थे (१०६)  
 ७७८. तीर कर्मसमाप्तौ (१६१२)  
 ७७९. तीव स्थौल्ये (५६५)  
 ७८०. तुज हिंसायाम् (२४४)०तु  
 ७८१. तुजि पालने (२४५)  
 ७८२. तुजि हिंसाबलादाननिकेतपु(१५६६)  
 ७८३. तुजि भाषार्थे (१७५५)  
 ७८४. तुट कलहकर्मणि (१३७०६)  
 ७८५. तुड तोडने (१३८६)  
 ७८६. तुडि तोडने (२७६)  
 ७८७. तुडु तोडने (३५१)  
 ७८८. तुण कौटिल्ये (१३३२)  
 ७८९. तुण हिंसागतिकौटिल्येषु (१३३७)  
 ७९०. तुत्थ आवरणे (१६४३)  
 ७९१. तुद व्यथने (१२८१)  
 ७९२. तुप हिंसार्थे (४०४)  
 ७९३. तुप हिंसायाम् (१३०६)  
 ७९४. तुप हिंसार्थे (४०५)  
 ७९५. तुप हिंसायाम् (१३१०)  
 ७९६. तुफ हिंसार्थे (४०८)  
 ७९७. तुफ हिंसायाम् (१३११)  
 ७९८. तुफ हिंसायाम् (१३१२)  
 ७९९. तुफ हिंसार्थे (४०६)  
 ८००. तुबि अर्दने (४२८)  
 ८०१. तुबि अर्दने, अदर्शने (१६५७)  
 ८०२. तुभ हिंसायाम् (७५३)

८०३. तुभ हिंसायाम् (१२४१)  
 ८०४. तुभ हिंसायाम् (१५२१)  
 ८०५. तुर त्वरणे (११०२)  
 ८०६. तुल उन्माने (१५६६)  
 ८०७. तुर्वी हिंसार्था (५७०)  
 ८०८. तुष प्रीतौ (११८४)  
 ८०९. तुस शब्दे (७१०)  
 ८१०. तुहिर अर्दने (७३७)  
 ८११. तूडू तोडने इत्येके (३५१)  
 ८१२. तूण पूरणे (१६८६)  
 ८१३. तूरी गदित्वरणहिंसनयोः (११५१)  
 ८१४. तूल निष्कर्षे (५२७)  
 ८१५. तूष तुष्टौ (६७४)  
 ८१६. तृक्ष गतौ (६६१)  
 ८१७. तृ प्लवनतरणयोः (६६६)  
 ८१८. तृणु अदने (१४६८)  
 ८१९. तृप प्रीडने (११६५)  
 ८२०. तृप तृप्तौ (१३०७)  
 ८२१. तृप तृप्तौ, संदीपन इत्येके (१८१६)  
 ८२२. तृप तृप्तौ (१३०८)  
 ८२३. तृफ तृप्तौ (१३०८)  
 ८२४. तृफ तृप्तौ (१३०८)  
 ८२५. तृह हिंसायाम् (१४५५)  
 ८२६. तृहु हिंसार्थे (१३४८)  
 ८२७. तृन्हू हिंसार्थे (१३५०)  
 ८२८. तेज पालने (२३१)  
 ८२९. तेपृ क्षरणार्थे, कंप्ने च (३६३)  
 ८३०. तेवृ देवने देवनं दुखम् (४६६)  
 ८३१. त्यज हानौ (६८६)  
 ८३२. त्रकि गत्यर्थे (६७)  
 ८३३. त्रक्ष गतौ (६६०)  
 ८३४. त्रख गत्यर्थे केचित् (१५५)  
 ८३५. त्रदि चेष्टायाम् (६६)  
 ८३६. त्रपूष् लज्जायाम् (३७४)  
 ८३७. त्रस धारणे (१७४१)  
 ८३८. त्रसि भाषार्थे (१७६१)  
 ८३९. त्रसी उद्वेगे (१११७)  
 ८४०. त्रिखि गत्यर्थे केचित् (१५५)  
 ८४१. त्रुट छेदने (१३७५)  
 ८४२. त्रुट छेदने (१६६८)  
 ८४३. त्रुप हिंसार्थे (४०६)  
 ८४४. त्रुप हिंसार्थे (४०७)  
 ८४५. त्रुफ हिंसार्थे (४१०)

८४६. त्रुंफ हिंसार्थे (४११)  
 ८४७. त्रेड् पालने (६६५)  
 ८४८. त्रौकृ गत्यर्थे (६६)  
 ८४९. त्वक्षू तनूकरणे (६५६)  
 ८५०. त्वगि गत्यर्थे (१५०) कंपने च (१५५)  
 ८५१. त्वच संन्ववरणे (१३०१)  
 ८५२. त्वंचु गत्यर्थाः (१६२)  
 ८५३. त्विष दीप्तौ (१००१)  
 ८५४. त्सर छद्मगतौ (५५४)  
 ८५५. थुड सम्बरणे (१३८७)  
 ८५६. थुर्वी हिंसार्था (५७१) ऽद  
 ८५७. दंश दशने दंष्ट्राव्यापारे (६८६)  
 ८५८. दक्ष वृद्धौ शीघ्रार्थे (६०८)  
 ८५९. दक्ष गतिहिंसनयोः (७७०)  
 ८६०. दंड दंडनिपातने (१६२६)  
 ८६१. दघ घातने पालने च (१२७३)  
 ८६२. दधि पालने (१५६)  
 ८६३. दद दाने (१७)  
 ८६४. दध धारणे(८)  
 ८६५. दंभु दंभने (१२७०)  
 ८६६. दमु उपशमे(१२०३)  
 ८६७. दय दानगतिरक्षणहिंसादानेषु (४८१)  
 ८६८. दरिद्रा दुर्गतौ (१०७३)  
 ८६९. दल विशरणे (५४८)  
 ८७०. दल विदारणे (१७५१)  
 ८७१. दलि च शब्दे इति भोजः (८१६)  
 ८७२. दशि दंशने (१६७४)  
 ८७३. दशि भाषार्थे (१७६४)  
 ८७४. दस दर्शनदंशनयो इत्येके (१६७५)  
 ८७५. दसि दर्शनदंशनयो (१६७५)  
 ८७६. दसि आप्यायने (१७८४)  
 ८७७. दसु उपक्षये (१२१३)  
 ८७८. दह भस्मीकरणे (६६१)  
 ८७९. दाण् दाने (६३०)  
 ८८०. दान खंडने (६६४)  
 ८८१. दाप् लवने लवने छेदनं (१०५६)  
 ८८२. दाश दाने (८८२)  
 ८८३. दाशु दाने (८६४)  
 ८८४. दाशु हिंसायाम् (१२७६)  
 ८८५. दिवि प्रीणनार्थे (५६२)  
 ८८६. दिवु क्रीडाविजिगीषाव्यवहारद्युति- मोददस्वप्नकान्तिगतिषु (११०७)  
 ८८७. दिवु परिकूजने (१७००)  
 ८८८. दिवु मर्दने (१७२४)

८८६. दिश अतिसर्जने (१२८३)  
 ८८७. दिह उपचये (१०१५)  
 ८८८. दीक्ष मौडयेज्येपनयननियमव्रतादेशेषु (६०६)  
 ८८९. दीघीङ् दीप्तिदेवनयोः देवनं दुखं (१०७६)  
 ८९०. दीङ् क्षये (११३४)  
 ८९१. दीपी दीप्तौ (११५०)  
 ८९२. दु गतौ (६४४)  
 ८९३. दुःख तत्क्रियायाम् (१६३०)  
 ८९४. दुर्वी हिंसार्था (५७२)  
 ८९५. दुल उल्क्षेपे (१६००)  
 ८९६. दुष वैकृत्ये (११८५)  
 ९००. दुह प्रपूरणे (१०१४)  
 ९०१. दुहिर अर्दने (७३८)  
 ९०२. दृ हिंसायाम् (१२८०)  
 ९०३. दृ भये (८०८)  
 ९०४. दृङ् आदरे (१४११)  
 ९०५. दृप हर्षमोहनयोः (११६६)  
 ९०६. दृप उत्त्वलेशे (१३१३)  
 ९०७. दृफ उत्त्वलेशे (१३१४)  
 ९०८. दृभ सन्दर्भे (१८२२)  
 ९०९. दृभी ग्रन्थे (१३२३)  
 ९१०. दृभी ग्रन्थे (१८२१)  
 ९११. दृशिर् प्रेक्षणे (६८८)  
 ९१२. दृह वृद्धौ (७३३)  
 ९१३. दृहि वृद्धौ (७३३)  
 ९१४. दृ विदारणे (१४६३)  
 ९१५. देङ् रक्षणे (६६२)  
 ९१६. दैप् शोधने (६२४)  
 ९१७. दो अवखंडने (११४८)  
 ९१८. द्यु अभिगमने (१०४०)  
 ९१९. द्रम गतौ (४६६)  
 ९२०. द्रा कुत्सायां गतौ (१०५४)  
 ९२१. द्रु गतौ (६४५)  
 ९२२. द्युत दीप्तौ (७४१)  
 ९२३. द्रूज हिंसायाम् (१४८१)  
 ९२४. द्यै न्यक्करणे तिरस्कारे (६०५)  
 ९२५. द्राक्षि घोरवासिते घोरवासितम् घोरशब्दः (६७०)  
 ९२६. द्राखु शोषणालमर्थयोः (१२४)  
 ९२७. द्राघु सामर्थ्ये आयामे च (११४)  
 ९२८. द्राङ् विशरणे (२८७)  
 ९२९. द्राह् निद्राक्षये, निक्षेपे इत्येके (६४६)  
 ९३०. द्रुह जिघांसायाम् (११६७)  
 ९३१. द्रेक् शब्दोत्साहयोः (७८)

६३२. देवृ देवने (५००)  
 ६३३. वै स्वप्ने (६०६)  
 ६३४. द्विष् अप्रीतौ (१०१३) ०६  
 ६३५. धक्क नाशने (१५६४)  
 ६३६. धण शब्दे इत्येके (४५३)  
 ६३७. धन धान्ये (११०४)  
 ६३८. धवि गत्यर्थे (५६७)  
 ६३९. धाडू विशरणे (२८८)  
 ६४०. धार्त्र गतिचातुर्ये (५५३)  
 ६४१. धावु गतिशुद्धयोः (६०१)  
 ६४२. धि धारणे (१४०६)  
 ६४३. धिक्ष संदीपनक्लेशनजीवनेषु (६०३)  
 ६४४. धिवि प्रीणनार्थे (५६३)  
 ६४५. धिष शब्दे (११०३)  
 ६४६. धीङ् आधारे (११३६)  
 ६४७. धुक्ष संदीपनक्लेशनजीवनेषु (६०२)  
 ६४८. धुञ् कम्पने (१२५५)  
 ६४९. धूञ् कम्पने (१४८७)  
 ६५०. धूञ् कम्पने (१८३५)  
 ६५१. धुर्वी हिंसार्था (५७३)  
 ६५२. धुञ् कम्पने इत्येके (१२५५)  
 ६५३. धू विधूनने (१३६८)  
 ६५४. धूप संतापे (३६६)  
 ६५५. धूप प्रसहने (१८५०)  
 ६५६. धूप भाषार्थे (१७७२)  
 ६५७. धूरी हिंसागत्योः (११५२)  
 ६५८. धृङ् अवध्वंसने (६६०)  
 ६५९. धृङ् अवस्थाने (१४१२)  
 ६६०. धृज गतौ (२१६)  
 ६६१. धृजि गतौ (२२०)  
 ६६२. धृञ् धारणे (६००)  
 ६६३. धृष् कान्तिकरणे (१६३६)  
 ६६४. धेक दर्शन इत्येके (१६१४)  
 ६६५. धेट् पाने (६०१)  
 ६६६. ध्मा शब्दाग्निसंयोगयोः (६२७)  
 ६६७. ध्ये चिन्तायाम् (६०८)  
 ६६८. ध्रज गतौ (२१७)  
 ६६९. ध्रजि गतौ (२१८)  
 ६७०. ध्रन शब्दे (४५६)  
 ६७१. ध्राक्षि घोरवासिते (६७१)  
 ६७२. ध्राखृ शोषणालमर्थयोः (१२५)  
 ६७३. ध्राधृ सामर्थ्ये आयामे च केचित् (११४)  
 ६७४. ध्रिज गतौ (२१७)

६७५. ध्रु स्थैर्ये (६४३)  
 ६७६. ध्रु गतिस्थैर्ययोः (१४००)  
 ६७७. ध्रुव गतिस्थैर्ययोः इत्येके (१४००)  
 ६७८. ध्रुकृ शब्दोत्साहयोः (७६)  
 ६७९. ध्रै तुप्तौ (६०७)  
 ६८०. ध्वंसु अवसंसने, गतौ (७५५)  
 ६८१. ध्वज गतौ (२२१)  
 ६८२. ध्वजि गतौ (२२२)  
 ६८३. ध्वण शब्दे (४५३)  
 ६८४. ध्वन शब्दे (८१६)  
 ६८५. ध्वन शब्दे (८२८)  
 ६८६. ध्वन शब्दे (१८८६)  
 ६८७. ध्वनि च शब्दे इति भोजः (८१६)  
 ६८८. ध्वाक्षि घोरवासिते (६७२)  
 ६८९. ध्वृ हृच्छने कौटिल्ये (६३६)०न  
 ६९०. नक्क नाशने (१५६३)  
 ६९१. नट नृतौ (३१०)  
 ६९२. नट अवस्यन्दने (१५४५)  
 ६९३. नट आप्यायने (१७८१)  
 ६९४. नत नृत्यौ इत्येके (७८१)  
 ६९५. नद शब्दे (५६)  
 ६९६. नल आप्यायने (१८०२)  
 ६९७. नाथृ यांचोपतापैश्वर्याशीःषु (६)  
 ६९८. नाथृ यांचोपतापैश्वर्याशीःषु (७)  
 ६९९. निवास आच्छादने (१८८५)  
 १०००. निष्क परिमाणे (१६८६)  
 १००१. नील वर्णे (५२२)  
 १००२. नृती गात्रविक्षेपे (१११६)  
 १००३. नृ नये (८०६)  
 १००४. नृ नये (१४६५)०प  
 १००५. पक्ष परिग्रहे (१५५०)  
 १००६. पच सेचने सेवने च (१६३)  
 १००७. पचि व्यक्तीकरणे (१७४)  
 १००८. पचि विस्तारवचने (१६५१)  
 १००९. पट गतौ (२६६)  
 १०१०. पट भाषार्थे (१७५२)  
 १०११. पट ग्रन्थे (१८५६)  
 १०१२. पठ व्यक्तायां वाचि (३३०)  
 १०१३. पडि गतौ (२८१)  
 १०१४. पडि नाशने (१६१५)  
 १०१५. पण व्यवहारे स्तुतौ च (४३६)  
 १०१६. पत गतौ (१८६१)  
 १०१७. पत्तु गतौ (८४५)



१०१८.	पथि गतौ (१५७५)
१०१९.	पथे गतौ (८४७)
१०२०.	पद गतौ (११६६)
१०२१.	पद गतौ (१८६८)
१०२२.	पन व्यवहारे स्तुतौ च (४४०)
१०२३.	पप अनुपसर्गात् (गतौ) (१८६२)
१०२४.	पय गतौ (४७६)
१०२५.	पर्ण हरितभावे (१६३६)
१०२६.	पर्द कुत्सिते शब्दे (२६)
१०२७.	पर्प गतौ (४१२)
१०२८.	पर्ब गतौ (४१६)
१०२९.	पर्व पूरणे (५७७)
१०३०.	पल गतौ (८३६)
१०३१.	पल्यूल लवनपवनयोः (१८८१)
१०३२.	पश बन्धने (१७१६)
१०३३.	पसि नाशने (१६१६)
१०३४.	पा पाने (६२५)
१०३५.	पा रक्षणे (१०५६)
१०३६.	पार कर्मसमाप्तौ (१६११)
१०३७.	पाल रक्षणे (१६०६)
१०३८.	पि गतौ (१४०५)
१०३९.	पिच् क्षरणे (१४३४)
१०४०.	पिछ कुट्टने (१५७६)
१०४१.	पिजि पर्ण सम्पर्चन इत्येके उभयत्रेत्यन्ये, अव्यक्ते शब्दे इतीतरे (१०२८)
१०४२.	पिजि हिंसाबलादाननिकेतषु (१५६७)
१०४३.	पिजि भाषार्थे (१७५७)
१०४४.	पिट अनादरे (३०४)
१०४५.	पिट शब्दसंघातयोः (३११)
१०४६.	पिठ हिंसासंक्लेशनयोः (३३६)
१०४७.	पिडि संघाते (२७४)
१०४८.	पिडि संघाते (१६६६)
१०४९.	पिवि सेचने (५८८)
१०५०.	पिश अवयवे (१४३७)
१०५१.	पिष्टु संचूर्णने (१४५२)
१०५२.	पिस गतौ (१५६८)
१०५३.	पिसि भाषार्थे (१७६२)
१०५४.	पिसु गतौ (७१६)
१०५५.	पीड् पाने (११४१)
१०५६.	पीड अवगाहने (१५४४)
१०५७.	पील प्रतिष्टंभे (५२१)
१०५८.	पीव स्थौल्ये (५६३)०पु
१०५९.	पुंस अभिवर्धने (१६३७)
१०६०.	पुट भाषार्थे (१७५३)

१०६१. पुट संश्लेषणे (१३६७)  
 १०६२. पुट संसर्गे (१६१३)  
 १०६३. पुटि आप्यायने (१७६२)  
 १०६४. पुट्ट अल्पीभावे (१५५६)  
 १०६५. पुड उत्सर्गे (१३८४)  
 १०६६. पुडि खंडने इत्येके (३२६)  
 १०६७. पुण कर्मणि शुभ (१३३३)  
 १०६८. पुण संघाते इत्यन्ये (१६३६)  
 १०६९. पुथ हिंसायाम् (१११६)  
 १०७०. पुथ भाषार्थे (१७७५)  
 १०७१. पुथि हिंसासंक्लेशनयोः (४४)  
 १०७२. पुर अग्रगमने (१३४६)  
 १०७३. पुल महत्वे (८४१)  
 १०७४. पुल महत्वे (१६०१)  
 १०७५. पुष पूष्टौ (७००)  
 १०७६. पुष पूष्टौ (११८२)  
 १०७७. पुष पूष्टौ (१५२२)  
 १०७८. पुष धारणे (१७५०)  
 १०७९. पुष्प विकसने (११२२)  
 १०८०. पुस्त आदरानादरयोः (१५६०)  
 १०८१. पूङ् पवने पवित्रीकरणे (६६६)  
 १०८२. पूज पूजायाम् (१६४२)  
 १०८३. पूज पवनक (१४८२)  
 १०८४. पूयी विशरणे दुर्गन्धे च (४८४)  
 १०८५. पूरी आप्यायने (११५१)  
 १०८६. पूरी आप्यायने (१८०३)  
 १०८७. पूर्ण संघाते इत्येके (१६३६)  
 १०८८. पूर्वं पूरणे (५७६)  
 १०८९. पूल संघाते (५२८)  
 १०९०. पूल संघाते (१६३६)  
 १०९१. पूष वृद्धौ (६७५)  
 १०९२. पृ प्रीतौ (१२५८)  
 १०९३. पृ पालनपूरणयोः (१०८६)  
 १०९४. पृ पालनपूरणयोः (१४८६)  
 १०९५. पृ व्यायामे (१४०२)  
 १०९६. पृ पूरणे (१५४६)  
 १०९७. पृच सयमने (१८०७)  
 १०९८. पृची सम्पर्चने (१०३०)  
 १०९९. पृची संपर्के (१४६२)  
 ११००. पृजि पर्णे सम्पर्चन इत्येके (१०२८)  
 ११०१. पृड सुखने (१३२८)  
 ११०२. पृण प्रीणने (१३२०)  
 ११०३. पृथ प्रक्षेपे (१५५४)

११०४. पृषु सेचने, हिंसासंक्लेशनयोश्च (७०५)  
 ११०५. पैवृ सेवने (५०४) ०पे  
 ११०६. पेलृ गतौ (५४१)  
 ११०७. पेष्टृ प्रयत्नेन (६१५)  
 ११०८. पेसृ गतौ (७२०)  
 ११०९. पै शोषणे (६२०)  
 १११०. पैणृ गतिप्रेरणश्लेषणेषु (४५८)  
 ११११. पोथृ पर्याप्तौ (८६७)  
 १११२. प्रच्छ ज्ञीप्सायाम् (१४१३)  
 १११३. प्रथ प्रख्याने प्रसिद्धौ (७६५)  
 १११४. प्रथ प्रख्याने प्रसिद्धौ (१५५३)  
 १११५. प्रस विस्तारे (७६६)  
 १११६. प्रा पूरणे (१०६१)  
 १११७. प्रीङ् प्रीतौ (११४४)  
 १११८. प्रीञ् तर्पणे कान्तौ च (१४७४)  
 १११९. प्रीञ् तर्पणे (१८३६)  
 ११२०. प्रुङ् गतौ (६५७)  
 ११२१. प्रुड मर्दने (३२४)  
 ११२२. प्रुष स्नेहनसेवनपूरणेषु (१५२७)  
 ११२३. प्रुषु दाहे (७०३)  
 ११२४. प्लिह गतौ (६४२)  
 ११२५. प्ली गतौ (१५०३)  
 ११२६. प्लुङ् गतौ (६५८)  
 ११२७. प्लुष दाहे (१११५)  
 ११२८. प्लुष दाहे (१२१६)  
 ११२९. प्लुष स्नेहनसेवनपूरणेषु (१५२८)  
 ११३०. प्लुषु दाहे (७०४)  
 ११३१. प्सा भक्षणे (१०५५)  
 ११३२. प्रेषृ गतौ (६१६)  
 ११३३. प्रैणृ गतिप्रेरणश्लेषणेषु (४५८)  
 ११३४. फक्क नीचैर्गतौ (११६)  
 ११३५. फण गतौ (८२१)  
 ११३६. फल निष्पत्तौ (५३०)  
 ११३७. फुल्ल विकसने (५३२)  
 ११३८. फेलृ गतौ (५४२)०ब  
 ११३९. बण शब्दे (४५६) केचित्  
 ११४०. बद स्थैर्ये (५१)  
 ११४१. बध बन्धने (६७३)  
 ११४२. बध संयमने (१५४७)  
 ११४३. बन्ध बन्धने (१५०१)  
 ११४४. बर्ब गतौ (४१८)  
 ११४५. बर्ह प्राधान्ये (६३८)  
 ११४६. बर्ह हिंसायाम् (१६६४)

११४७. बर्ह भाषार्थे (१७६६)
११४८. बल प्राणने धान्यावरो धने च (८४०)
११४९. बल प्राणने (१६२८)
११५०. बल्भ भोजने (३६१)
११५१. बल्ह प्राधान्ये (६३६)
११५२. बल्ह भाषार्थे (१७७०)
११५३. बष्क दर्शने (१६१६)
११५४. बस्त परिमाणे (१६८३)
११५५. बहि वृद्धौ इत्येके (६३४)
११५६. बाड् आप्लाव्ये (२८६)
११५७. बाधु लोडने (५)
११५८. बाहृ प्रयत्ने (६४५)
११५९. बिट आक्रोशे (३१७)
११६०. बिल सम्बरणे (१३५८)
११६१. बिस प्रेरणे (१२१७)
११६२. बुगि वर्जने (१५८)
११६३. बिदि अवयवे, भिदि इत्येके (६४)
११६४. बुक्क भरणे (११६)
११६५. बुक्क भाषणे (१७१३)
११६६. बुध अवगमने (८५८)
११६७. बुध अवगमने (११७२)
११६८. बुधिर बोधने (८७५)
११६९. बुस उत्सर्गे (१२१६)
११७०. बृह वृद्धौ (७३५)
११७१. बृह वृद्धौ, शब्दे च (७३३)
११७२. बृहि भाषार्थे (१७६८)
११७३. बृहिर वृद्धौ चेत्येके (७३३)
११७४. बेहृ प्रयत्ने (६४३)
११७५. ब्री वरणे (१५०४)
११७६. ब्रूञ् व्यक्तायां वाचि (१०४४)
११७७. ब्रूस हिंसायाम् (१६६३)०भ
११७८. भक्ष अदने इति मैत्रेयः(८६३)
११७९. भक्ष अदने (१५५७)
११८०. भज सेवायाम् (६६८)
११८१. भज विश्राणने (१७३३)
११८२. भजि भाषार्थे (१७५६)
११८३. भंजो आमर्दने (१४५३)
११८४. भट भृतौ (३०७)
११८५. भट परिभाषणे (७८०)
११८६. भडि परिभाषणे (२७३)
११८७. भडि कल्याणे (१५८८)
११८८. भण शब्दे (४४७)
११८९. भदि कल्याणे सुखे च (१२)

११६०. भर्त्स तर्जने (१६८२)  
 ११६१. भर्व हिंसायाम् (५८०)  
 ११६२. भल आभंडने (१७००)  
 ११६३. भल परिभाषहिंसादानेषु (४६५)  
 ११६४. भल्ल परिभाषहिंसादानेषु (४६६)  
 ११६५. भष भर्त्सने (६६५)  
 ११६६. भस भर्सनदीप्त्योः (११००)  
 ११६७. भसु स्तंभे इति केचित् (१२१४)  
 ११६८. भा तीप्तौ (१०५१)  
 ११६९. भाज पृथक्कर्मणि (१८८६)  
 १२००. भाम क्रोधे (४४१)  
 १२०१. भाम क्रोधे (१८७२)  
 १२०२. भाष व्यक्तायां वाचि (६१२)  
 १२०३. भासु दीप्तौ (६२४)  
 १२०४. भिक्ष भिक्षायामलाभे लाभे च (६०६)  
 १२०५. भिदिर विदारणे (१४३६)  
 १२०६. भुजो कौटिल्ये (१४१७)  
 १२०७. भुज पालनाभ्यवहारयोः (१४५४)  
 १२०८. भुवो अवकल्पने, चिन्तन इत्येके (१७४७)  
 १२०९. भू सत्तायाम् । 'उदात्तः परस्मैभाषः' । (१)  
 १२१०. भू प्राप्तावात्मनेपदी (१८४४)  
 १२११. भूष अलंकारे (६८२)  
 १२१२. भूष अलंकरणे (१७३०)  
 १२१३. भृजी भर्जने (१७८)  
 १२१४. भृजू भरणे (८६८)  
 १२१५. भृशि आप्यायने (१७८७)  
 १२१६. भृशु अधःपतने (१२२४)  
 १२१७. भृ भर्त्सने (१४६१)  
 १२१८. भेजू दीप्तौ (१८०)  
 १२१९. भेषु भये गतावित्येके (८८३)  
 १२२०. भ्यस भये (६२८)  
 १२२१. भ्रक्ष अदने (८६२)  
 १२२२. भ्रंसु अवसंसने गतौ इत्यपि केचित् तालव्यान्त इत्यन्ये (७५६)  
 १२२३. भ्रण शब्दे (४५२)  
 १२२४. भ्रमु चलने (८५०)  
 १२२५. भ्रमु अनवस्थाने (१२०४)  
 १२२६. भ्रंशु अधःपतने (१२२५)  
 १२२७. भ्रस्ज पाके (१२८४)  
 १२२८. भ्राजू दीप्तौ (१८१)  
 १२२९. भ्री भये (१५०५)  
 १२३०. भ्रूण आशाकवशंकयोः (१६६०)  
 १२३१. भ्रेषु गतौ (८८४)  
 १२३२. भ्र्लेषु गतौ (८८५)

१२३३. मकि मंडने (८६)
१२३४. मख गत्यर्थे (१३२)
१२३५. मखि गत्यर्थे (१३३)
१२३६. मगि गत्यर्थे (१४८)
१२३७. मधि गत्याक्षेपे, गतौ गत्यारम्भे चेत्यपरे, मधि कैतवे कैतवम् च (१११)
१२३८. मधि मंडने (१६०)
१२३९. मचि धारणोच्छ्रायपूजनेषु (१७३)
१२४०. मठ मदनवासयोः (३३२)
१२४१. मठि शोके (२६३)
१२४२. मठि पालने (२६५)
१२४३. मडि विभाजने (२७१)
१२४४. मडि भूषायाम् (३२१)
१२४५. मडि भूषायाम् हर्षे च (१५८७)
१२४६. मण शब्दे (४४८)
१२४७. मत्रि गुप्तपरिभाषणे (१६७६) **गुप्तभाषणे**
१२४८. मथे विलोडने (८४८)
१२४९. मद तृप्तियोगे (१७०५)
१२५०. मदि स्तुतिमोदमदस्वप्नकान्तिगतिषु (१३)
१२५१. मदी हर्ष ग्लेपनयोः ग्लेपनं दैन्यं (८१४)
१२५२. मदी हर्षे (१२०८)
१२५३. मन ज्ञाने (११७६)
१२५४. मनु अवबोधने (१४७१)
१२५५. मन्थ विलोडने (४२)
१२५६. मन्थ विलोडने (१५११)
१२५७. मभ्र गत्यर्था (५५८)
१२५८. मय गतौ (४७७)
१२५९. मर्च शब्दार्थे (१६४६)
१२६०. मर्ब गतौ (४१६)
१२६१. मर्व पूरणे (५७८)
१२६२. मल धारणे (४६३)
१२६३. मल्ल धारणे (४६४)
१२६४. मव बन्धने (५६६) **विलोडने**
१२६५. मव्य बन्धने (५०८)
१२६६. मष हिंसार्थे (६६२)
१२६७. मश शब्दे रोषकृते च (७२४)
१२६८. मसी परिणामे (१२२१)
१२६९. मस्क गत्यर्थे (१०२)
१२७०. मह पूजायाम् (७३०)
१२७१. मह पूजायाम् (१८६७)
१२७२. महि वृद्धौ (६३४)
१२७३. महि आप्यायने (१७६६)
१२७४. मा माने (१०६२)
१२७५. माक्षि कांक्षायाम् (६६६)

१२७६. माङ् माने शब्दे च (१०८८)  
 १२७७. माङ् माने (११४२)  
 १२७८. मान पूजायाम् (६७२)  
 १२७९. मान पूजायाम् (१८४३)  
 १२८०. मान (मन) स्तम्भे (१७०६)  
 १२८१. मार्ग अन्वेषणे (१८४६)  
 १२८२. मार्ज शब्दार्थे (१६४८)  
 १२८३. माहृ माने (८६५)  
 १२८४. मिच्छ उत्क्लेशे (१२६७)  
 १२८५. मिजि भाषार्थे (१७५६)  
 १२८६. मिदि स्नेहने (१५४१)  
 १२८७. मिल संगमे (१४२६)  
 १२८८. मिवि सेचने (५८६)  
 १२८९. मिश शब्दे रोषकृते च (७२४)  
 १२९०. मिश्र सम्पर्के (१६२१)  
 १२९१. मिष स्पर्धायाम् (१३५०)  
 १२९२. मिष श्लेषणे (१३६४)  
 १२९३. मिषु सेचने (६६६)  
 १२९४. मिह सेचने (६६२)  
 १२९५. मी गतौ (१८२४)  
 १२९६. मीङ् हिंसायाम् (११३७)  
 १२९७. मीञ् बन्धने (१४७६)  
 १२९८. मीमृ गतौ शब्दे च (४६८)  
 १२९९. मील निमेषणे (५१७)  
 १३००. मीव स्थौल्ये (५६४)०मु  
 १३०१. मुच प्रमोचने मोदने च (१७४३)  
 १३०२. मुचि कल्कने, कथन इत्यन्ये (१७२)  
 १३०३. मुच्चु मोक्षणे (१४३०)  
 १३०४. मुज शब्दार्थे (२५०)  
 १३०५. मुजि शब्दार्थे (२५१)  
 १३०६. मुट आक्षेपमर्दनयोः (१३७४)  
 १३०७. मुट संचूर्णने (१६१४)  
 १३०८. मुड मर्दने (३२३)  
 १३०९. मुडि मार्जने (२७५)  
 १३१०. मुडि खंडने (३२६)  
 १३११. मुण प्रतिज्ञाने (१३३४)  
 १३१२. मुद हर्षे (१६)  
 १३१३. मुद संसर्गे (१७४०)  
 १३१४. मुर संवेष्टने (१३४३)  
 १३१५. मुर्छा मोहसमुच्छ्राययोः (२१२)  
 १३१६. मुर्वी बन्धने (५७५)  
 १३१७. मुष स्तेये (१५३०)  
 १३१८. मुस खंडने (१२२०)

१३१६. मुस्त संघाते (१६३१)  
 १३२०. मुह वैचित्ये (११६८)  
 १३२१. मूङ् बन्धने (६६७)  
 १३२२. मूत्र प्रस्रवणे (१६०६)  
 १३२३. मूल प्रतिष्ठायां (५२६)  
 १३२४. मूल रोहणे (१६०३)  
 १३२५. मूष स्तेये (६७६)  
 १३२६. मृक्ष संघाते (६६४)  
 १३२७. मृग अन्वेषणे (१६००)  
 १३२८. मृङ् प्राणत्यागे (१४००)  
 १३२९. मृजू शुद्धौ (१०६६)  
 १३३०. मृजू शौचालंकारयोः (१८४८)  
 १३३१. मृड सुखने (१३२७)  
 १३३२. मृड निमज्जन इत्येके (१३६१)  
 १३३३. मृड क्षोदे (१५१६)  
 १३३४. मृण हिंसायाम् (१३३१)  
 १३३५. मृद क्षोदे (१५१५)  
 १३३६. मृधु उन्दने (८७४)  
 १३३७. मृष तितिक्षायाम् (११६४)  
 १३३८. मृष तितिक्षायाम् (१८४६)  
 १३३९. मृषु सेचने, सहने च (७०७)  
 १३४०. मृश परामर्शने (१४२५)  
 १३४१. मेङ् प्रणिदाने (६६१)  
 १३४२. मेट्ट मेधाहिंसनयोः (८६६)  
 १३४३. मेट्ट उन्मादे (२६३)  
 १३४४. मेधु मेधाहिंसनयोः संगमे च (८७०)  
 १३४५. मेपृ गतौ (३७१)  
 १३४६. मेवृ सेवने (५०२)  
 १३४७. मोक्ष आसने (१७३०)  
 १३४८. म्ना अभ्यासे (६२६)  
 १३४९. म्रक्ष संघाते इत्येके (६६४)  
 १३५०. मृ हिंसायाम् (१४६२)  
 १३५१. म्रक्ष स्लेच्छने (१६६१)  
 १३५२. म्रद मर्दने (७६७)  
 १३५३. म्रुचु गत्यर्थाः (१६५)  
 १३५४. म्रुंचु गत्यर्थाः (१६३)  
 १३५५. म्लुचु गत्यर्थाः (१६६)  
 १३५६. म्लुंचु गत्यर्थाः (१६४)  
 १३५७. म्लेच्छ अव्यक्ते शब्दे (२०५)  
 १३५८. म्लेच्छ अव्यक्तायां वाचि (१६६२)  
 १३५९. म्लेट्ट उन्मादे (२६२)  
 १३६०. म्लेवृ सेवने (५०६)  
 १३६१. म्लै हर्षक्षये (६०४)०य



१३६२. यक्ष पूजायाम् (१६६२)  
 १३६३. यज देवपूजनसंतिकरणदानेषु (१००२)  
 १३६४. यत निकारोपस्कारयोः (१७३५)  
 १३६५. यती प्रयत्ने (३०)  
 १३६६. यभ मैथुने (६८०)  
 १३६७. यम उपरमे (६८४)  
 १३६८. यम परिवेषणे (१६२५)  
 १३६९. यमोऽपरिवेषणे अभोजने (८१६)  
 १३७०. यसु प्रयत्ने (१२१०)  
 १३७१. या प्रापणे (१०४६)  
 १३७२. यु मिश्रणेऽमिश्रणे च (१०३३)  
 १३७३. यु जुगुप्सायाम् (१७१०)  
 १३७४. ष्युगि वर्जने (१५६)  
 १३७५. युच्छ प्रमादे (२१४)  
 १३७६. युज समाधौ (११७७)  
 १३७७. युज संयमने (१८०६)  
 १३७८. युजिर योगे (१४४४)  
 १३७९. युतृ भासने (३१)  
 १३८०. युध संप्रहारे (११७३)  
 १३८१. युञ् बन्धने (१४७६)  
 १३८२. यूष हिंसायाम् (६७६)  
 १३८३. येष्टु प्रयत्नेन इत्यप्येके (६१५)  
 १३८४. योटृ बन्धे (२६१)०र  
 १३८५. रक आस्वादने (१७३६)  
 १३८६. रक्ष पालने (६५८)  
 १३८७. रख गत्यर्थे (१३६)  
 १३८८. रखि गत्यर्थे (१३७)  
 १३८९. रगि गत्यर्थे (१४४)  
 १३९०. रगे शंकायाम् (७८५)  
 १३९१. रच प्रतियत्ने (१८६४)  
 १३९२. रंज रागे (११६७)  
 १३९३. रणि च शब्दे इति भोजः (८१६)  
 १३९४. लधि गत्यर्थे (१०८)  
 १३९५. रधि आप्यायने (१७६५)  
 १३९६. रंज रागे (६६६)  
 १३९७. रट परिभाषणे परिहासे, सनिन्दोपालभे (२६७)  
 १३९८. रट परिभाषणे (३३४)  
 १३९९. रठ परिभाषणे इत्येके (३३४)  
 १४००. रण शब्दे (४४५)  
 १४०१. रण गतौ (७६५)  
 १४०२. रद विलेखने (५३)  
 १४०३. रध हिंसासंराध्योः (११६३)  
 १४०४. रप व्यक्तायां वाचि (४०१)

१४०५. रफ गतौ (४१३)  
 १४०६. रफि गतौ (४१४)  
 १४०७. रभ राभस्ये (६७४)  
 १४०८. रम क्रीणायां इति माधव (८५३)  
 १४०९. रमु क्रीणायां (८५३)  
 १४१०. रय गतौ (४८२)  
 १४११. रवि शब्दे (३७६)  
 १४१२. रवि गत्यर्थे (५६६)  
 १४१३. रस शब्दे (७१३)  
 १४१४. रस आस्वादने स्नेहनयोः (१६३१)  
 १४१५. रह त्यागे (७३१)  
 १४१६. रह त्यागे (१६२७)  
 १४१७. रह त्यागे (१८५८)  
 १४१८. रहि गतौ (७३२)  
 १४१९. रहि आप्यायने (१७६८)  
 १४२०. रा दाने (१०५७)  
 १४२१. राखु शोषणालमर्थयोः (१२२)  
 १४२२. राजृ दीप्तौ (८२२)  
 १४२३. राध संसिद्धौ (१२६२)  
 १४२४. राधु सामर्थ्ये (११२)  
 १४२५. राधोऽकर्मकाद्वृद्धावेव (११८०)  
 १४२६. रासु शब्दे (६२६)  
 १४२७. रि हिंसायाम् (१२७५)  
 १४२८. रि गतौ (१४०४)  
 १४२९. रिगि गत्यर्थे, (१५३)  
 १४३०. रिख गत्यर्थे केचित् (१५५)  
 १४३१. रिखि गत्यर्थे केचित् (१५५)  
 १४३२. रिच वियोजनसंपर्चनयोः (१८१६)  
 १४३३. रिचिर विरेचने (१४४१)  
 १४३४. रिफ कथनयुद्धनिन्दाहिंसादानेषु रिह इत्येके (१३०१)  
 १४३५. रिशु हिंसायाम् (१४२०)  
 १४३६. रिष हिंसार्थे (६६४)  
 १४३७. रिष हिंसायाम् (१२३१)  
 १४३८. रिवि गत्यर्थे (५६५)  
 १४३९. री गतिरेषणयोः (१५००)  
 १४४०. रीङ् श्रवणे (११३८) ०रु  
 १४४१. रु शब्दे (१०३४) गतिवृद्धिहिंसासु  
 १४४२. रुङ् गतिरेषणयोः (६५६)  
 १४४३. रुच दीप्तावभिप्रीतौ च (७४५)  
 १४४४. रुज हिंसायाम् (१८०४)  
 १४४५. रुजो भंगे (१४१६)  
 १४४६. रुट प्रतिघाते (७४७)  
 १४४७. रुट रोषे इत्येके (१६७०)

१४४८. रुट आप्यायने (१७८३)  
 १४४९. रुटि स्तेये (३२७)  
 १४५०. रुठ उपघाते (३३६)  
 १४५१. रुठि स्तेये (३२८)  
 १४५२. रुठि गतौ (३४५)  
 १४५३. रुडि स्तेये (३२८)  
 १४५४. रुदिर् अश्रुविमोचने (१०६७)  
 १४५५. रुधिर आवरणे (१४३८)  
 १४५६. रुप विमोहने (१२३६)  
 १४५७. रुप रोषे (१६७०)  
 १४५८. रुश हिंसायाम् (१४१९)  
 १४५९. रुशि आप्यायने (१७८४)  
 १४६०. रुष हिंसार्थे (६६३)  
 १४६१. रुष हिंसायाम् (१२३०)  
 १४६२. रुसि आप्यायने (१७६०)  
 १४६३. रुह बीजजन्मनि प्रादुर्भावे च (८५६)  
 १४६४. रूप रूपक्रियायाम् (१६३३)  
 १४६५. रूक्ष पारुष्ये (१६१०)  
 १४६६. रूष भूषायाम् (६७८)  
 १४६७. रेकृ शंकायाम् (८०)  
 १४६८. रेट्ट परिभाषणे (८६४)  
 १४६९. रेपृ गतौ (३७२)  
 १४७०. रेभृ शब्दे (३८५)  
 १४७१. रेवृ प्लवगतौ (५०७)  
 १४७२. रेषृ अव्यक्ते शब्दे (६२०)  
 १४७३. रै शब्दे (६०६)  
 १४७४. रौड् उन्मादे  
 १४७५. रौड् अनादरे (३५५)०ल  
 १४७६. लक्ष दर्शनांकनयोः (१५३८)  
 १४७७. लख गत्यर्थे (१३८)  
 १४७८. लखि गत्यर्थे (१३६)  
 १४७९. लग आस्वादने (१७३७)  
 १४८०. लागि गत्यर्थे (१४५)  
 १४८१. लगे संगे (७८६)  
 १४८२. लधि गत्यर्थे भोजननिवृत्तौ च (१०८)  
 १४८३. लधि आप्यायने (१७६६५)  
 १४८४. लधि भाषार्थे (१७६०)  
 १४८५. लधि शोषणे (१५६)  
 १४८६. लछ लक्षणे (२०६)  
 १४८७. लज भर्जने (२३८)  
 १४८८. लज अपवारणे इत्यन्ये (१५४३)  
 १४८९. लज प्रकाशने (१६२०)  
 १४९०. लजि भर्जने (२३६)

१४६१. लजि आप्यायने (१७८४)  
 १४६२. लट बाल्ये (२६८)  
 १४६३. लड विलासे (३५६)  
 १४६४. लड उपसेवायाम् (१५४०)  
 १४६५. लडि: जिह्वोन्मथने जिह्वया ज्ञापने (८१४)  
 १४६६. लडि आप्यायने (१८००)  
 १४६७. लप व्यक्तायां वाचि (४०२)  
 १४६८. लवि शब्दे अवसंसने च (३७७)  
 १४६९. लय गतौ (४८२)  
 १५००. लर्ब गतौ (४१७)  
 १५०१. लल विलासे इत्येके (३५६)  
 १५०२. लल ईप्सायाम् (१६८७)  
 १५०३. लष कान्तौ (८८८)  
 १५०४. लष हिंसायाम् (१६१०)  
 १५०५. लस श्लेषणक्रीडनयोः (७१०)  
 १५०६. लस शिल्पयोगे (१७२८)  
 १५०७. ला आदाने (१०५८)  
 १५०८. लाखृ शोषणालमर्थयोः (१२३)  
 १५०९. लाछि लक्षणे (२०७)  
 १५१०. लाज भर्जने भर्त्सने च (२४०)  
 १५११. लाजि भर्जने भर्त्सने च (२४१)  
 १५१२. लाधृ सामर्थ्ये (११३)  
 १५१३. लाभ प्रेरणे (१६३६)  
 १५१४. लिख अक्षरविन्यासे (१३६५)  
 १५१५. लिख गत्यर्थे केचित् (१५५)  
 १५१६. लिखि गत्यर्थे केचित् (१५५)  
 १५१७. लिगि गत्यर्थे (१५५)  
 १५१८. लिगि चित्रीकरणे (१७३६)  
 १५१९. लिजि भाषार्थे (१७५५)  
 १५२०. लिप उपदेहे (१४३३)  
 १५२१. लिश अल्पीभावे (११७६)  
 १५२२. लिश गतौ (१४२१)  
 १५२३. लिह आस्वादाने (१०१६)  
 १५२४. ली श्लेषणे (१५०१)  
 १५२५. ली द्रवीकरणे (१८११)  
 १५२६. लीङ् श्लेषणे (११३६)  
 १५२७. लुजि भाषार्थे (१७५८)  
 १५२८. लुट संश्लेषणयोः इत्येके (१३८१)  
 १५२९. लुट भाषार्थे (१७५४)  
 १५३०. लुंठ स्तेये (१५६३)  
 १५३१. लुठ उपघाते (३३७)  
 १५३२. लुठ संश्लेषणयोः (१३८१)  
 १५३३. लुंठ स्तेये इति केचित् (१५६३)

१५३४. लुठि गतौ (३४६)  
 १५३५. लुड संश्लेषणयोः इत्यन्ये (१३८१)  
 १५३६. लुंच अपनयने (१८७)  
 १५३७. लुट विलोडने (३१४)  
 १५३८. रुट प्रतिघाते (७४८)  
 १५३९. लुट विलोडने (१२२२)  
 १५४०. लुटि स्तेये (३२८)  
 १५४१. लुठ प्रतिघाते (७४६)  
 १५४२. लुठि स्तेये (३२८)  
 १५४३. लुठि आलस्ये प्रतिघाते च (३४३)  
 १५४४. लुड विलोडने इत्येके (३१४)  
 १५४५. लुडि स्तेये (३२८)  
 १५४६. लुथि हिंसासंक्लेशनयोः (४५)  
 १५४७. लुप विमोहने (१२३७)  
 १५४८. लुप्लृ छेदने (१४३१)  
 १५४९. लुबि अर्दने (४२७)  
 १५५०. लुबि अर्दने, अदर्शने (१६५६)  
 १५५१. लुभ गार्ध्वे गार्ध्वम् आकांक्षा (१२३८)  
 १५५२. लुभ विमोहने (१३०५)  
 १५५३. लूञ् छेदने (१४८३)  
 १५५४. लूष भूषायाम् (६७७)  
 १५५५. लेपृ गतौ (३७३)  
 १५५६. लोकृ दर्शने (७६)  
 १५५७. लोकृ भाषार्थे (१७७६)  
 १५५८. लोचृ दर्शने (१६४)  
 १५५९. लोचृ भाषार्थे (१७७७)  
 १५६०. लोडृ उन्मादे (३५७)  
 १५६१. लोष्ट संघाते (२५८)  
 १५६२. वकि कौटिल्ये (८८)  
 १५६३. वकि गत्यर्थे (६५)  
 १५६४. वक्ष रोषे । संघात इत्येके (६६३)  
 १५६५. वख गत्यर्थे (१३०)  
 १५६६. वखि गत्यर्थे (१३१)  
 १५६७. वगि गत्यर्थे (१४७)  
 १५६८. वधि गत्याक्षेपे, गतौ गत्यारम्भे चेत्यपरे (११०)  
 १५६९. वच परिभाषणे (१०६३)  
 १५७०. वच परिभाषणे (१८४२)  
 १५७१. वज गतौ (२५२)  
 १५७२. वंचु गत्यर्था (१८६)  
 १५७३. वंचु प्रलम्भने (१७०३)  
 १५७४. वट वेष्टने (३००)  
 १५७५. वट परिभाषणे (७७६)  
 १५७६. वट ग्रन्थे (१८५७)

१५७७. वट विभाजने (१६१६)  
 १५७८. वटि विभाजने (१५८६)  
 १५७९. वठ स्थौल्ये (३३१)  
 १५८०. वठि एकचर्यायाम् एकचर्या सहायं विना चरणं (२६२)  
 १५८१. वडि विभाजने (२७०)  
 १५८२. वण शब्दे (४४६)  
 १५८३. व्यक्तायां वाचि (१००६)  
 १५८४. वद संदेशवचने (१८४१)  
 १५८५. वदि अभिवादन स्तुत्योः (११)  
 १५८६. वन शब्दे (४६२)  
 १५८७. वन च हिंसार्थे (८०३)  
 १५८८. वन संभक्तौ (४६३)  
 १५८९. वनु याचने (१४७०)  
 १५९०. वभ्र गत्यर्था (५५७)  
 १५९१. वय गतौ (४७५)  
 १५९२. वर ईप्सायाम् (१८५२)  
 १५९३. वर्च दीप्तौ (१६२)  
 १५९४. वर्ण प्रेरणे (१५५१)  
 १५९५. वर्ण वर्णक्रियाविस्तारगुणवचनेषु (१६३८)  
 १५९६. वर्ध छेदनपूरणयोः (१६५४)  
 १५९७. वर्ष स्नेहने (६१३)  
 १५९८. वर्ह परिभाषणहिंसाच्छादनेषु (६४०)  
 १५९९. वल संवरणे संचरणे च (४६१)  
 १६००. वलि च शब्दे इति भोजः (८१६)  
 १६०१. वल्क परिभाषणे (१५७१)  
 १६०२. वल्ग गत्यर्थे (१४३)  
 १६०३. वल्ल संवरणे संचरणे च (४६२)  
 १६०४. वल्ल अव्यक्ते शब्दे (४६८)  
 १६०५. वल्ह परिभाषणहिंसाच्छादनेषु (६४१)  
 १६०६. वश कान्तौ (१०८०)  
 १६०७. वष हिंसार्थे (६६१)  
 १६०८. वस निवासे (१००५)  
 १६०९. वस निवासे (१६४२)  
 १६१०. वस आच्छादने (१०२३)  
 १६११. वस स्नेहच्छेदापहरणेषु (१७४४)  
 १६१२. वसु स्तंभे (१२१४)  
 १६१३. वस्क गत्यर्थे (१०१)  
 १६१४. वहि वृद्धौ (६३३)  
 १६१५. वह प्रापणे (१००४)  
 १६१६. वा गतिबन्धनयोः (१०५०)  
 १६१७. वाक्षि कांक्षायाम् (६६८)  
 १६१८. वाछि इच्छायाम् (२०८)  
 १६१९. वात सुखसेवनयोः, गति- सुखसेवनेष्वित्येके (१८८२)

१६२०. वावृतु वरणे इति केचित् (११६०)  
 १६२१. वाशु शब्दे (११६३)  
 १६२२. वास उपसेवायाम् (१८८४)  
 १६२३. वाह प्रयत्ने (६४५)  
 १६२४. विच्छ गतौ (१४२३)  
 १६२५. विच्छ भाषार्थे (१७७३)  
 १६२६. विचिर पृथग्भावे (१४४२)  
 १६२७. विजिर् पृथग्भावे (१०६४)  
 १६२८. विट शब्दे (३१६)  
 १६२९. विद ज्ञाने (१०६४)  
 १६३०. विद विचारणे (१४५०)  
 १६३१. विद सत्तायाम् (११७१)  
 १६३२. विद चेतनाख्याननिवासेषु (१७०८)  
 १६३३. विद्लु लाभ (१४३२)  
 १६३४. विथु याचने (३३)  
 १६३५. विध विधाने (१३२५)  
 १६३६. विल भेदने (१३५६)  
 १६३७. विल भेदने (१६०६)  
 १६३८. विल क्षेपे (१६०५)  
 १६३९. विश प्रवेशने (१४२४)  
 १६४०. विष विप्रयोगे (१५२६)  
 १६४१. विषु सेचने (६६८)  
 १६४२. विष्क हिंसायाम् (१६८५)  
 १६४३. विष्क दर्शने (१६४०)  
 १६४४. विष्लु व्याप्तौ (१०६५)  
 १६४५. वी गतिप्राप्तिप्रजनकान्त्ये (१०४८)  
 १६४६. वीर विक्रान्तौ (१६०३)  
 १६४७. वुस्त आदरानादरयोः (१५६१)  
 १६४८. वृक आदाने (६२)  
 १६४९. वृक्ष वरणे (६०४)  
 १६५०. वृङ् सम्भवतौ (१५०६)  
 १६५१. वृजि वर्जने इत्येके (१०२६)  
 १६५२. वृजी वर्जने (१०२६)  
 १६५३. वृजी वर्जने (१४६१)  
 १६५४. वृजी वर्जने (१८१२)  
 १६५५. वृञ् वरणे (१२५४)  
 १६५६. वृञ् वरणे (१४८६)  
 १६५७. वृञ् आवरणे (१८१४)  
 १६५८. वृण प्रीणने (१३३०)  
 १६५९. वृतु वर्तने (७५८)  
 १६६०. वृतु वरणे (११६०)  
 १६६१. वृतु भाषार्थे (१७८१)  
 १६६२. वृधु वृद्धौ (७५६)

१६६३. वृधु भाषार्थे (१७८२)  
 १६६४. वृशु वरणे (१२२६)  
 १६६५. वृष शक्तिबन्धने (१७००)  
 १६६६. वृषु सेचने हिंसासंक्लेशनयोश्च(७०६)  
 १६६७. वृह उद्यमने (१३४७) बृह इत्यन्ये  
 १६६८. वृ वरणे (१४६०)  
 १६६९. वेञ् तन्तसन्ताने (१००६)  
 १६७०. वेणु तिज्ञानचिन्तानिशामनवादित्र- ग्रहणेषु । नान्तोऽप्ययम् ।  
 १६७१. वेथु याचने (३४)  
 १६७२. वेल कालोपदेशे (१८८०)  
 १६७३. वेलु चलने (५३५)  
 १६७४. वेल्ल चलने (५४०)  
 १६७५. वेवीङ् वेतिना तुल्ये (१०७७)  
 १६७६. वेष्ट वेष्टने (२५५)  
 १६७७. व्यच वाजीकरणे (१२६३)  
 १६७८. व्यथ भयसंचलनयोः (७६४)  
 १६७९. व्यध ताडने (११८१)  
 १६८०. व्यप क्षेपे (१६३८)  
 १६८१. व्यय गतौ (८८१)  
 १६८२. व्यय क्षेपे इत्येके (१६३८)  
 १६८३. व्यय वित्तसमुत्सर्गे (१६३२)  
 १६८४. व्युष दाहे (१११४)  
 १६८५. व्युष विभागे (१२१५)  
 १६८६. व्येञ् संवरणे (१००७)  
 १६८७. व्रज गतौ (२५३)  
 १६८८. व्रज मार्ग संस्कारगत्योः (१६१७)  
 १६८९. व्रण गात्रविचूर्णने (१६३७)  
 १६९०. व्रीङ् वृणोत्यर्थे (११४०)  
 १६९१. व्रीड चोदने लज्जायाम् च (११२६)  
 १६९२. व्रण शब्दे (४५१)  
 १६९३. व्रुड सम्बरणे (१३६३)  
 १६९४. व्ली वरणे (१५०२) ०३  
 १६९५. शक विभाषितो मर्षणे च (११८७)  
 १६९६. शकि शंकायाम् (८६)  
 १६९७. शक्लु शक्तौ (१२६१)  
 १६९८. शच व्यक्तायां वाचि (१६५)  
 १६९९. शट रुजाविशरणगत्यवसादनेषु (२६६)  
 १७००. शठ कैतवे च (३४०)  
 १७०१. शठ असंस्कारगत्योः (१५६४)  
 १७०२. शठ श्लाघायाम् (१६६१)  
 १७०३. शठ सम्यगवभाषणे (१८५४)  
 १७०४. शडि ऊर्जायां संघाते (२७६)  
 १७०५. शण दाने, गतावित्यन्ये (७६७)



१७०६.	शद्लु शातने (८५५)
१७०७.	शद्लु शातने (१४२८)
१७०८.	शप आक्रोशे (१०००)
१७०९.	शप आक्रोशे (११६८)
१७१०.	शब्द उपसर्गादाविष्कारे (१७१४)
१७११.	शम आलोचने (१६६६)
१७१२.	शमु उपशमे (१२०१)
१७१३.	शमो दर्शने (८१८)
१७१४.	शंब संबन्धने (१५५५)
१७१५.	शर्द गतौ (४२३)
१७१६.	शर्व हिंसायाम् (५८५)
१७१७.	शल चलनसंवरणयोः (४६०)
१७१८.	शल गतौ (८४३)
१७१९.	शल्लभ कथने (३६०)
१७२०.	शव गतौ (७२५)
१७२१.	शश प्लुतगतौ उल्लुल्य गमने (७२६)
१७२२.	शष हिंसार्थे (६६०)
१७२३.	शंसु स्तुतौ, दुर्गताविति दुर्गः (७२८)
१७२४.	शसु हिंसायाम् (७२७)
१७२५.	शान तेजने (६६५)
१७२६.	शाखृ व्याप्तौ (१२६)
१७२७.	शाडृ श्लाघायाम् (२८६)
१७२८.	शासु अनुशिष्टौ (१०७५)
१७२९.	शिक्ष विद्योपादाने (६०५)
१७३०.	शिख गत्यर्थे केचित् (१५५)
१७३१.	शिखि गत्यर्थे केचित् (१५५)
१७३२.	शिषि आम्राणे (१६१)
१७३३.	शिजि अव्यक्तेशब्दे (१०२७)
१७३४.	शिञ् निशाने तीक्ष्णीकरणे (१२४६)
१७३५.	शिट अनादरे (३०३)
१७३६.	शिल उच्छे (१३६२)
१७३७.	शिष हिंसार्थे (६८७)
१७३८.	शिष असर्वोपयोगे (१८१६)
१७३९.	शिष्टु विशेषणे (१४५१)
१७४०.	शीक आमर्षणे (१८२६)
१७४१.	शीकृ सेचने (७५)
१७४२.	शीङ् स्वप्ने (१०३२)
१७४३.	शीभृ कथने (३८३)
१७४४.	शील समाधौ (५२३)
१७४५.	शील उपधारणे (१८७८)
१७४६.	शुच शोके (१८३)
१७४७.	शुचिर पूतीभावे (११६५)
१७४८.	शुच्य अभिषवे (५१३)

१७४६. शुठ गतिप्रतिघाते (३४१)  
 १७५०. शुठ आलस्ये (१६४४)  
 १७५१. शुठि शोषणे (३४४)  
 १७५२. शुठि शोषणे (१६४५)  
 १७५३. शुघ शौचे (११६१)  
 १७५४. शुन गतौ (१३३६)  
 १७५५. शुन्ध शुद्धौ (७४)  
 १७५६. शुन्ध शौचकर्मणि (१८३२)  
 १७५७. शुभ भाषणे भासन इत्येके, हिंसायां इत्यन्ये (४३२)  
 १७५८. शुभ शोभाथे (१३२१)  
 १७५९. शुंभ शोभाथे (१३२२)  
 १७६०. शुभ दीप्तौ (७५०)  
 १७६१. शुंभ भाषणे, भासन इत्येके, हिंसायां इत्यन्ये (४३३)  
 १७६२. शुल्क अतिस्पर्शने अतिसर्जन इत्येके (१६१८)  
 १७६३. शुल्ब माने (१६११)  
 १७६४. शुष शोषणे (११८३)  
 १७६५. शृधु शब्दकुत्सायाम् (७६०)  
 १७६६. शृ हिंसायाम् (१४८८)  
 १७६७. शृधु उन्दने (८७३)  
 १७६८. शृधु प्रहसने (१७३४)  
 १७६९. शूर विक्रान्तौ (१६०३)  
 १७७०. शूरी हिंसास्तम्भनयो (११५७)  
 १७७१. शूर्प माने (१६१२)  
 १७७२. शूल रुजायां संघोषे च (५२६)  
 १७७३. शूष प्रसवे (६७८)  
 १७७४. शेलु गतौ (५४३)  
 १७७५. शेवृ सेवने (५०६)  
 १७७६. शै पाके (६१८)  
 १७७७. शो तनूकरणे (११४५)  
 १७७८. शोणु वर्णगत्योः (४५५)  
 १७७९. शौटु गर्वे (२६०)  
 १७८०. श्च्युतिर आसेचने (४०)  
 १७८१. श्च्युतिर (श्च्युतिर) क्षरणे (४१)  
 १७८२. श्नथ हिंसार्थे (७६६)  
 १७८३. श्मील निमेषणे (५१८)  
 १७८४. श्यैङ् गतौ (६६३)  
 १७८५. श्रकि गतौ (८४)  
 १७८६. श्रगि गत्यर्थे (१५१)  
 १७८७. श्रण दाने (७६८)  
 १७८८. श्रण दाने (१५७८)  
 १७८९. श्रथ प्रयत्ने प्रस्थान इत्येके (१५४६)  
 १७९०. श्रथ मोक्षणे, हिंसायाम् इत्यन्ये (१८२३)  
 १७९१. श्रथ हिंसार्थे (७६६)

१७६२. श्रथि शैथिल्ये (३५)  
 १७६३. श्रन्थ विमोचनप्रतिहर्षयोः (१५१०)  
 १७६४. श्रन्थ सन्दर्भे (१५११)  
 १७६५. श्रन्थ सन्दर्भे (१८३७)  
 १७६६. श्रमु तपसि खेदे च  
 १७६७. श्रंभु प्रमादे (३६३)  
 १७६८. श्रा पाके । मारण तोषण निषामनेषु (८१०)  
 १७६९. श्रा पाके (१०५३)  
 १८००. श्रिञ् सेवायाम् (८६७)  
 १८०१. श्रिषु दाहे (७०१)  
 १८०२. श्रीञ् पाके (१४७५)  
 १८०३. श्रु श्रवणे (६४२)  
 १८०४. श्रै पाके (६१६)  
 १८०५. श्रोणृ संघाते (४५६)  
 १८०६. श्लकि गतौ (८५)  
 १८०७. श्लगि गत्यर्थे (१५२)  
 १८०८. श्लाखृ व्याप्तौ (१२७)  
 १८०९. श्लाघ् कथने (११५)  
 १८१०. श्लथ (७६६)  
 १८११. श्लिष श्लेषणे (१५७४)  
 १८१२. श्लिषु दाहे (७०२)  
 १८१३. श्लोकृ संघाते (७७)  
 १८१४. श्लोणृ संघाते (४५७)  
 १८१५. श्वकि गत्यर्थे (६६)  
 १८१६. श्वच गतौ (१६६)  
 १८१७. श्वचि गतौ (१६६)  
 १८१८. श्वठ आशुगमने (५४६)  
 १८१९. श्वठ असंस्कारगत्योः (१५६५)  
 १८२०. श्वठ सम्यगवभाषणे (१८५५)  
 १८२१. श्वभ्र गत्याम् (१६२३)  
 १८२२. श्वर्त गत्याम् (१६२२)  
 १८२३. श्वल्क परिभाषणे (१५७०)  
 १८२४. श्वल्ल आशुगमने (५५०)  
 १८२५. श्वस प्राणने (१०६६)  
 १८२६. श्विता वणे (७४२)  
 १८२७. श्विदि श्वैत्ये श्वैत्यं श्वेतस्य भावः (१०)०□  
 १८२८. षगे संवरणे (७८७)  
 १८२९. षघ हिंसायाम् (१२६८)  
 १८३०. षच समवाये (६६७)  
 १८३१. षंज संगे (६८७)  
 १८३२. षट अवयवे (३१३)  
 १८३३. षट्ट हिंसायाम् (१६३३)  
 १८३४. षण संभक्तौ (४६३)

१८३५. षणु दाने (१४६४)  
 १८३६. षद्लु विशरणगत्यवसादनेषु (८५४०)  
 १८३७. षद्लु विशरणगत्यवसादनेषु (१४२७)  
 १८३८. षप समवाये सम्बन्धे (४००)  
 १८३९. षम अवैकल्ये (८२९)  
 १८४०. षंब संबन्धने (१५५५)  
 १८४१. षर्क्ष आदरे इति केचित (६६६)  
 १८४२. षर्ज अर्जने (२२५)  
 १८४३. षर्ब गतौ (४२४)  
 १८४४. षर्व हिंसायाम् (५८६)  
 १८४५. षवि सेचने इत्येके (५६०)  
 १८४६. षल गतौ (५४७)  
 १८४७. षस् स्वप्ने (१०७८)  
 १८४८. षस्ज गतौ (२०२)  
 १८४९. षस्जि गतौ (२०१) आत्मने पद्यपि  
 १८५०. षस्ति स्वप्ने (१०७९)  
 १८५१. षह मर्षणे (८५२)  
 १८५२. षह मर्षणे (१८०९)  
 १८५३. षह चक्यर्थे तृत्थर्थे (११२८)  
 १८५४. षान्त्व सामप्रयोगे (१५६६)  
 १८५५. षिञ् बन्धने (१२४८)  
 १८५६. षिञ् बन्धने (१४७७)  
 १८५७. षिघ गत्याम् (४७)  
 १८५८. षिधु संराद्धौ (११९२)  
 १८५९. षिधू शास्त्रे मांगल्ये च (४८)  
 १८६०. षिभु हिंसार्थे (४३१)  
 १८६१. षिंभु हिंसार्थे (४३१)  
 १८६२. षिल उच्छे (१३६३)  
 १८६३. षिवु तन्तुसन्ताने (११०८)  
 १८६४. षु प्रसवैश्वर्ययोः (१०४१)  
 १८६५. षु प्रेरणे (१४०८)  
 १८६६. षुञ् अभिषवे (१२४७)  
 १८६७. षुट्ट अनादरे (१५६२)  
 १८६८. षुह चक्यर्थे तृत्थर्थे (११२९)  
 १८६९. षूङ् प्राणिगर्भविमोचने (१०३१)  
 १८७०. षूङ् प्राणिप्रसवे (११३२)  
 १८७१. षूद क्षरणे (२५)  
 १८७२. षूद क्षरणे (१७१७)  
 १८७३. षृक प्रतिघाते (७८२)  
 १८७४. षृभु हिंसार्थे (४३०)  
 १८७५. षृभु हिंसार्थे (४३१)  
 १८७६. षेलु गतौ इत्येक (५४३)  
 १८७७. षेवृ द (५०१)

१८७८. पै क्षये (६१५)  
 १८७९. षो अन्तकर्मणि (११४७)  
 १८८०. ष्टम अवैकल्ये (८३०)  
 १८८१. ष्टल स्थाने (८३६)  
 १८८२. ष्टक्ष गतौ (६६१)  
 १८८३. ष्टगे संवरणे (७६०)  
 १८८४. ष्टन शब्दे (४६१)  
 १८८५. ष्टिबु निरसने (५६०)  
 १८८६. ष्टभि प्रतिबन्धे (३८६)  
 १८८७. ष्टिपृ क्षरणार्थे (३६४)  
 १८८८. ष्टिध आस्कन्दने (१२६५)  
 १८८९. ष्टिम आर्दीभावे (११२४)  
 १८९०. ष्टिवु निरसने (१११०)  
 १८९१. ष्टीम आर्दीभावे (११२५)  
 १८९२. ष्टुच प्रसादे (१७५)  
 १८९३. ष्टुञ् स्तुतौ (१०४३)  
 १८९४. ष्टुप समुच्छ्राये (१२३७)  
 १८९५. ष्टुप समुच्छ्राये (१६७२)  
 १८९६. ष्टुभु स्तंभे (३६४)  
 १८९७. ष्टृक्ष गतौ (६६१)  
 १८९८. ष्टेपृ क्षरणार्थे (३६५)  
 १८९९. ष्टै वेष्टने (६२२)  
 १९००. ष्ट्यै शब्दसंघातयोः (६११)  
 १९०१. ष्टा गतिनिवृत्तौ (६२८)  
 १९०२. ष्णसु निरसने (१११२)  
 १९०३. ष्णा शौचे (१०५२)  
 १९०४. ष्णिह प्रीतौ (१२००)  
 १९०५. ष्णिह स्नेहने (१५७२)  
 १९०६. ष्णु प्रस्रवणे (१०३८)  
 १९०७. ष्णुसु अदने (११११)  
 १९०८. ष्णुह उद्गिरणे (११६६)  
 १९०९. ष्णै वेष्टने, शोभायां च (६२३)  
 १९१०. ष्यैङ् वृद्धौ (६६४)  
 १९११. ष्वंच परिष्वंगे (६७६)  
 १९१२. ष्वद आस्वादने (१८)  
 १९१३. ष्वद आस्वादने (१८०५)  
 १९१४. ष्वष्क गत्यर्थे (१००)  
 १९१५. ष्विदा गात्रप्रक्षरणे (११८८)०स  
 १९१६. संकेत आमन्त्रणे (१८६१)  
 १९१७. संग्राम युद्धे (१६२२)  
 १९१८. सत्र सन्तानक्रियायाम् (१६०६)  
 १९१९. समाज प्रीतिदर्शनयोः, प्रीतिसेवनयोरित्येके (१८८७)  
 १९२०. समी परिणामे इत्येके (१२२१)

१६२१. साध संसिद्धौ (१२६३)  
 १६२२. सार दौर्बल्ये (१८६८)  
 १६२३. सांब संबन्धने इत्येके (१५५५)  
 १६२४. साम सान्त्वप्रयोगे (१८७६)  
 १६२५. सुख तत्क्रियायाम् (१६२६)  
 १६२६. सूच पैशुन्ये (१८७३)  
 १६२७. सूत्र वेष्टने (१६०८)  
 १६२८. सूक्ष्म आदरे (६६६)  
 १६२९. सूक्ष्म ईष्यार्थाः (५०६)  
 १६३०. सृ गतौ (६३५)  
 १६३१. सृ गतौ (१०६६)  
 १६३२. सृज विसर्गे (११७८)  
 १६३३. सृष्टु गतौ (६८३)  
 १६३४. सेकृ गतौ (८१)  
 १६३५. स्फुदि आप्रवणे आप्लावनं उक्त्वः उद्धरणं च (६)  
 १६३६. स्कन्दिर् गतिशोषणयोः (६७६)  
 १६३७. स्कभि प्रतिबन्धे (३८७)  
 १६३८. स्फुञ् आप्रवणे (१४७८)  
 १६३९. स्खद स्खदने विद्रावणे (७६८)  
 १६४०. स्खदिर् अवपरिभ्यां च (८२०)  
 १६४१. स्खल संचलने (५४४)  
 १६४२. स्खलि च शब्दे इति भोजः (८१६)  
 १६४३. स्तन देवशब्दे (१८५६)  
 १६४४. स्तुञ् आच्छादने (१२५२)  
 १६४५. स्तुञ् आच्छादने (१४८४)  
 १६४६. स्तुहु हिंसार्थे (१३४६)  
 १६४७. स्तेन चौर्ये (१८६७)  
 १६४८. स्तोम श्लाघायाम् (१६२३)  
 १६४९. स्तयै शब्दसंघातयोः (६१०)  
 १६५०. स्थुड सम्बरणे (१३८८)  
 १६५१. स्थूल परिर्वहणे (१६०४)  
 १६५२. स्पदि किञ्चिच्चलने (१४)  
 १६५३. स्पर्ध संघर्षे (३)  
 १६५४. स्पश बाधनस्पर्शनयोः (८८७)  
 १६५५. स्पश ग्रहणसंश्लेषणयोः (१६८०)  
 १६५६. स्पृ प्रितिपालनयोः प्रीतिचलनयोः इत्यन्ये । चलने जीवनं इति स्वामी (१२५६)  
 १६५७. स्पृश संस्पर्शने (१४२२)  
 १६५८. स्पृह ईप्सायाम् (१८७१)  
 १६५९. स्फर संचलने इत्यन्ये (१३६०)  
 १६६०. स्फल संचलने इत्येके (१३६०)  
 १६६१. स्फायी वृद्धौ (४८७)  
 १६६२. स्फिट्ट हिंसायाम् (१६३४)  
 १६६३. स्फुट विकसने अवयवविभागे (२६०)

१६६४. स्फुट विकसने अवयवविभागे (१३७३)  
 १६६५. स्फुट भेदने (१७२२)  
 १६६६. स्फुटि विशरणे इति केचित् (३२६)  
 १६६७. स्फुटि परिहासे अपि (१५३७)  
 १६६८. स्फुटिर विशरणे (३२६)  
 १६६९. स्फुड सम्बरणे (१३६१)  
 १६७०. स्फुडि विकसने (२७७)  
 १६७१. स्फुडि परिहासे (१५३७)  
 १६७२. स्फुर संचलने (१३८६)  
 १६७३. स्फुर्छा विस्तृतौ (२१३)  
 १६७४. स्फुल संचलने (१३६०)  
 १६७५. स्मय वितर्के (१६६३)  
 १६७६. स्मिंङ् ईषद्धसने (६४८)  
 १६७७. स्मिंङ् अनादरे इत्येके (१५७३)  
 १६७८. स्मिट अनादरे (१५७३)  
 १६७९. स्मील निमेषणे (५१६)  
 १६८०. स्मृ आध्याने (८०७)  
 १६८१. स्मृ चिन्तायाम् (६३३)  
 १६८२. स्यन्दू प्रस्रवणे (७६१)  
 १६८३. स्युमु शब्दे (८२६)  
 १६८४. संभु विश्वासे (७५७)  
 १६८५. संसु अवसंसने अधःपतने (७५४)  
 १६८६. स्रकि गतौ (८४)  
 १६८७. स्रिवु गतिशोषणयोः (११०६)  
 १६८८. सु गतौ (६४०)  
 १६८९. सुज विसर्गे (१४१४)  
 १६९०. स्रकि (८२)  
 १६९१. स्रेकृ गतौ (८२)  
 १६९२. स्रै पाके इति केषुचित्पाठः (६१६)  
 १६९३. स्वन शब्दे (८२७)  
 १६९४. स्पर्द आस्वादाने (१६)  
 १६९५. स्वन अवतंसने (८१७)  
 १६९६. स्वर आक्षेपे (१८६३)  
 १६९७. स्वरु शब्दोपतापयोः उपतापः रेगः (६३२)  
 १६९८. हट दीप्तौ (३१२) ०ह  
 १६९९. हठ प्लुतिशठत्वयोः, बलात्कार इत्यन्ये (३३५)  
 २०००. हद पुरीषोत्सर्गे (६७७)  
 २००१. हम्म गतौ (४६७)  
 २००२. हय गतौ (५१२)  
 २००३. हर्य गतिकान्त्योः (५१४)  
 २००४. हल विलेखने आकर्षणे (८३७)  
 २००५. हसे हसने (७२१)  
 २००६. हि गतौ वृद्धौ च (१२५७)

२००७. हिक्क अव्यक्ते शब्दे (८६१)  
 २००८. हिट आक्रोशे (३१७)  
 २००९. हिडि गत्यानादरयोः (२६८)  
 २०१०. हिवि प्रीणनार्थे (५९१)  
 २०११. हिल भावकरणे (१३६१)  
 २०१२. हिसि हिंसायाम् (१४५६)  
 २०१३. हिसि हिंसायाम् (१८२६)  
 २०१४. हुडि संघाते (२६६)  
 २०१५. हु दानादनयोः (१०८३)  
 २०१६. हुडि वरणे, हरण इत्येक (२७७)  
 २०१७. हुडृ गतौ (३५२)  
 २०१८. हुर्छा कौटिल्ये (२११)  
 २०१९. हुल गतौ, हिंसायां संवरणे च (८४४)  
 २०२०. हुडृ गतौ (३५२)  
 २०२१. हृ प्रसह्यकरणे (१०६७)  
 २०२२. हृञ् हरणे (८६६)  
 २०२३. हृष तुष्टौ (१२२६)  
 २०२४. हृषु अलीके (७०६)  
 २०२५. हृस शब्दे (७११)  
 २०२६. हेठ विवाधायाम् (२६६)  
 २०२७. हेठ भूतपादुर्भावि (१५३२)  
 २०२८. हेड वेष्टने (?)  
 २०२९. हेडृ अनादरे (२८४)  
 २०३०. होडृ अनादरे (२८५)  
 २०३१. होडृ गतौ (३५४)  
 २०३२. हनुङ् अपनयने (१०८२)  
 २०३३. ह्मल चलने (८०६)  
 २०३४. ह्नाद अव्यक्ते शब्दे (२६)  
 २०३५. ह्नी लज्जायाम् (१०८५)  
 २०३६. ह्नीछ लज्जायाम् (२१०)  
 २०३७. ह्नेषु अव्यक्ते शब्दे (६२२)  
 २०३८. ह्लगे संवरणे (७८७)  
 २०३९. ह्लप व्यक्तायां वाचि (१६५८)  
 २०४०. ह्लस शब्दे (७१२)  
 २०४१. ह्लादी सुखे च (२६)  
 २०४२. ह्वगे संवरणे (७८७)  
 २०४३. ह्वल चलने (८०५)  
 २०४४. ह्वप व्यक्तायां वाचि इत्यन्ये (१६५८)  
 २०४५. ह्वृ कौटिल्ये (६३१)  
 २०४६. ह्वेज स्पर्धायाम् शब्दे च (१००८)  
 २०४७. ह्वेषु अव्यक्ते शब्दे (६२१)



नन्दी, क्षीर स्वामी, दुर्ग, मैत्रेय, भोजु, चन्द्र, कौशिक,